Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 174
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

लखनऊ-गुरूवार ,23 अक्टूबर 2025 लखनऊ, प्रयागराज ,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

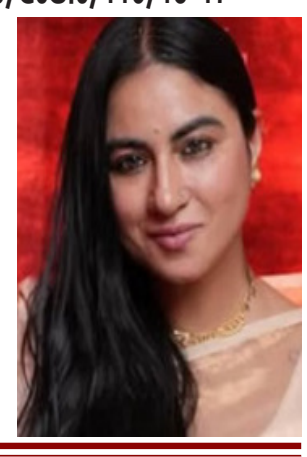

3 गृहिणी होती है असली गृह लक्ष्मीः स्वामी

4 अमित शाह हैं संकटमोचन, संगठनशिल्पी और लौहपुरुष

5 फिर प्यार में पड़ीं 'बिग बॉस' फेम पवित्रा पुनिया

गोशाला में सीएम योगी ने की गोवर्धन पूजा

फिर गायों और गोवंश को खिलाई गुड़-रोटी

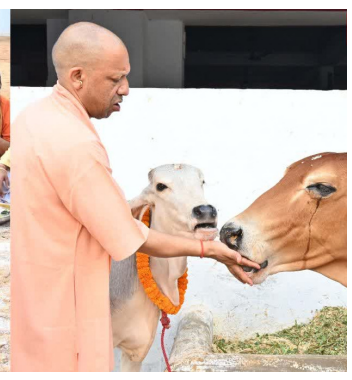

लखनऊ (संवाददाता)। दीपावली के पंच दिवसीय महापर्व की श्रृंखला के महत्वपूर्ण पर्व गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार प्रातः गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में विधि विधान से गोवर्धन पूजा की। गोपूजन के बाद मुख्यमंत्री ने गोसेवा की और प्रदेशवासियों को गोवर्धन पूजा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गोवंश भारत की समृद्धि का आधार रहा है। सरकार गो संरक्षण और संवर्धन के लिए कई योजनाओं के जरिये सतत प्रयास कर रही है। दीपावली के दिन सोमवार से ही गोरखपुर प्रवास कर रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में गोवर्धन पूजा की। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन की प्रक्रिया पूर्ण की। गायों और गोवंश को माला पहनाई, तिलक लगाया और गोमाता का आशीर्वाद लेकर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। गो पूजन के बाद मुख्यमंत्री ने गायों और गोवंश को अपने हाथों से गुड़ और केला खिलाया। इस दौरान वह गायों और गोवंश को उनका नाम लेकर पुकारते रहे और उनके पास जाकर उन्हें खूब दुलार भी किया। गोवर्धन पूजा के बाद मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत करते हुए प्रदेशवासियों, अन्नदाता किसानों और पशुपालकों को गोवर्धन पूजा की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार गोवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए कई अभिनव कार्यक्रम संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सिर्फ गोपूजन ही नहीं हो रहा है बल्कि गोवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए योजनाएं भी चलाई जा रही हैं। योगी ने कहा कि प्रदेश में 16 लाख गोवंश ऐसे हैं जिनका भरण पोषण प्रदेश सरकार अनुदानित कर रहे है। अन्नदाता किसानों की फसल को इनसे नुकसान न हो, इस दृष्टि से यह एक प्रयास प्रारंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि गोवंश के लिए प्रदेश में तीन प्रकार की विशेष योजनाएं हैं। एक योजना निराश्रित गोवंश स्थल की है जिसमें हर गोवंश के लिए सरकार के स्तर पर प्रतिमाह 1500 रुपये उपलब्ध कराए जाते हैं। ऐसे ही सहभागिता योजना है। इसमें कोई भी अन्नदाता किसान गोवंश के संरक्षण और संवर्धन के साथ जुड़ता है तो उसे चार निराश्रित गोवंश की देखभाल के लिए प्रति गोवंश 1500 रुपये की दर से 6000 रुपये तक दिए जाते हैं। तीसरी योजना कुपोषित परिवारों के लिए है। जो कुपोषित माताएं हैं, बच्चे हैं, उन परिवारों में उन्हें निराश्रित गो आश्रय स्थल से ब्याई हुई गाय दी जाती है। वह सेवा करें और गाय का दूध भी लें। साथ ही उन्हें 1500 रुपये प्रति महीना गाय की देखभाल के लिए दिया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रसन्नता है कि बड़ी संख्या में लोगों ने इस योजना का लाभ लिया है और कुपोषण से सुपोषण की ओर बढ़े हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से प्रदेश में संचालित गोवर्धन योजना से अन्नदाता किसान समृद्धि की ओर बढ़े हैं। प्रदेश में कंप्रेस्ड बायोगैस और इथेनॉल बनाने से अन्नदाता किसानों को गोबर का भी दम प्राप्त हो रहा है। साथ जी ग्रीन ईंधन के माध्यम से प्रदेश के अंदर नेट जीरो के लक्ष्य को प्राप्त करने और पेट्रोल डीजल में खर्च होने वाले भारत धन को बचाने में भी मदद मिल रही है।

केरल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हेलीकॉप्टर लैंडिंग के दौरान हादसा...लैंड होते ही धंस गया हेलीपैड

पथनमथिट्टा (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सबरीमला ले जा रहे हेलीकॉप्टर के पहिये बुधवार सुबह यहां प्रमदम स्थित राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में उतरते समय कंक्रीट के नवनिर्मित हेलीपैड पर गड्ढे में फंस गए। राष्ट्रपति के सड़क मार्ग से पंबा के लिए रवाना होने के बाद टीवी चैनलों पर दिखाए गए दृश्यों में कई पुलिसकर्मी और अग्निशमन बल के जवान हेलीकॉप्टर के पहियों को छोटे-छोटे गड्ढों से धक्के देकर बाहर निकालते हुए दिखाई दिए। हेलीकॉप्टर के हेलीपैड पर उतरने के बाद ये गड्ढे बन गए। जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आखिरी समय में हेलीकॉप्टर उतारने के लिए स्टेडियम को चुना गया था और इसलिए मंगलवार देर रात वहां हेलीपैड बनाया गया। पहले विमान को पंबा के समीप निलक्कल में उतारने की योजना बनायी गयी थी लेकिन खराब मौसम के कारण इसे प्रमदम में उतारने का फैसला किया गया। अधिकारी ने बताया, कंक्रीट पूरी तरह से जम नहीं पाया था इसलिए जब हेलीकॉप्टर उतरा तो वह उसका भार नहीं संभाल सका और जहां पहिए जमीन को छू रहे थे, वहां गड्ढे बन गए। राष्ट्रपति मुर्मू केरल के चार दिवसीय आधिकारिक दौरे पर मंगलवार शाम को तिरुवनंतपुरम पहुंचीं और आज सुबह पथनमथिट्टा जिले के लिए रवाना हुईं, जहां एक पहाड़ी पर सबरीमला मंदिर स्थित है। मुर्मू प्रमदम से सड़क मार्ग से पंबा जा रही हैं जो सबरीमला की तलहटी में स्थित है। सबरीमला भगवान अयप्पा मंदिर में आज पूजा-अर्चना करेंगी राष्ट्रपति मुर्मू राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार को सबरीमला में भगवान अयप्पा मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगी। राष्ट्रपति चार पहिया वाहनों के काफिले में पंबा से सन्निधानम तक यात्रा करेंगी।

मुंबई की एक आवासीय इमारत में आग लगी, दमकलकर्मी समेत दो लोग मामूली रूप से घायल

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के मलाड पश्चिम में बुधवार को एक आवासीय इमारत में आग लग गई, जिसमें एक निवासी और एक अग्निशमनकर्मी घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि अग्निशमन विभाग को सुबह 5:06 बजे लिंक रोड स्थित इनऑर्बिट मॉल के पास सात मंजिला भूमि क्लासिक में आग लगने की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि आग इमारत की छठी और सातवीं मंजिल पर स्थित कई बंद फ्लैटों तक फैल गई थी। अधिकारी ने बताया कि कई दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं और लगभग दो घंटे बाद आग पर काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि घटना में शुभम अगोटरिया (24) मामूली रूप से घायल हो गए। अग्निशमन अभियान के दौरान मामूली चोट लगने के बाद एक वरिष्ठ स्टेशन अधिकारी को जोगेश्वरी (पूर्व) स्थित बालासाहेब ठाकरे ट्रॉमा केयर अस्पताल ले जाया गया। अधिकारी ने बताया कि आग लगने का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है। अधिकारी ने बताया कि बोरीवली पूर्व के गोराई इलाके में दोपहर के आसपास एक रिहायशी इमारत में भी आग लग गई। उन्होंने कहा, किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है। मौके पर अग्निशमन कार्य जारी है।

सीएम धामी ने की गौ माता की पूजा-अर्चना, प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि की कामना की

देहरादून , (जीएनएस)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित गौशाला में गोवर्धन पूजा के अवसर पर गौ माता की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली, समृद्धि और जन कल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोवर्धन पूजा प्रकृति संरक्षण, मनुष्यों एवं जानवरों के बीच के प्रेम को दर्शाता है। यह पर्व हमें अपनी परंपराओं, संस्कृति और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बने रहने का भी संदेश देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंदू धर्म में गाय को माता का दर्जा मिला है। गौमाता सनातन संस्कृति और कृषि जीवन का अभिन्न हिस्सा है। उनकी सेवा और संरक्षण, हमारे जीवन को आगे बढ़ाता है। कई परिवारों का भरण-पोषण गाय पालन और गो-सेवा से होता है। गौ-संवर्धन धार्मिक भावनाओं से जुड़े होने के साथ ही आजीविका और आत्मनिर्भरता से भी जुड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री ने सभी से अपील की कि हम सभी मिलकर गायों की सेवा, सुरक्षा और संरक्षण के लिए प्रयास करें। उन्होंने कहा राज्य सरकार निराश्रित गोवंश के लिए गौ सदनों के निर्माण और संचालन को बढ़ावा दे रही है। राज्य में निराश्रित पशु (जिन्हें गौशालाओं में पाला जा रहा है) उनके भरण पोषण के लिए पहले पांच रुपए प्रति दिन प्रति पशु दिया जाता था, इसे बढ़ाकर अब 80 रुपए प्रति पशु/ प्रति दिन किया गया है। निजी रूप से गौशालाओं के निर्माण में राज्य सरकार ने 60 फीसदी सब्सिडी देने का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा राज्य में करीब 54 गौ सदनों का निर्माण कार्य जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा आगे भी राज्य सरकार गौ संरक्षण के लिए कार्य करते रहेगी।

रक्षा मंत्री और सेनाध्यक्ष की मौजूदगी में नीरज चोपड़ा भारतीय सेना में बने लेफ्टिनेंट कर्नल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को बुधवार को भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि प्रदान की गई। यह समारोह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी की उपस्थिति में दिल्ली में आयोजित हुआ। यह सम्मान नीरज चोपड़ा की एथलेटिक्स में असाधारण उपलब्धियों और लाखों युवा भारतीयों को प्रेरित करने में उनके योगदान के लिए दिया गया है। वह उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं जिन्हें देश का गौरव बढ़ाने के लिए सशस्त्र बलों में मानद रैंक प्राप्त हुई है। भारत के राजपत्र के अनुसार, यह नियुक्ति 16 अप्रैल से प्रभावी हुई। नीरज 26 अगस्त, 2016 को नायब सूबेदार के पद पर जूनियर कमीशंड

अधिकारी के रूप में भारतीय सेना में शामिल हुए। दो साल बाद, एथलेटिक्स में उनके प्रदर्शन के लिए उन्हें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया और फिर 2021 में खेल के क्षेत्र में उनके प्रदर्शन के लिए उन्हें खेल रत्न से सम्मानित किया गया। नीरज को 2021 में सूबेदार के पद पर भी पदोन्नत किया गया। टोक्यो 2020 ओलंपिक में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद, 27 वर्षीय भारतीय एथलीट को 2022 में भारतीय सेना द्वारा परम विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया। उन्हें 2022 में सूबेदार मेजर के पद पर पदोन्नत किया गया, और भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी को उसी वर्ष भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म श्री से भी सम्मानित किया गया। नीरज हाल ही में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाला फेंक में अपना विश्व खिताब बचाने में नाकाम रहे और 84.03 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ आठवें स्थान पर रहे, जिससे उनका 26 स्पर्धाओं में शीर्ष दो स्थानों पर रहने का सिलसिला टूट गया। उनके हमवतन सचिन यादव ने उन्हें पछाड़कर चौथा स्थान हासिल किया और 86.27 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पदक से चूक गए। आठवें स्थान पर रहने के बाद, नीरज ने अपने निराशाजनक प्रदर्शन पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें पीठ में कुछ समस्या है, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि आखिरकार यह ₹जीवन और खेल₹ है। 2021 कोर्टेन खेलों के बाद से नीरज का 26 बार शीर्ष दो में स्थान बनाने का सिलसिला - वह आयोजन जो टोक्यो 2020 में उनके ऐतिहासिक स्वर्ण पदक से ठीक पहले हुआ था, इस प्रमुख आयोजन में निराशाजनक आठवें स्थान के साथ समाप्त हुआ।

बेटे और बहू से परेशान व्यक्ति ने ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या की

अमेठी (एजेंसी)। थाना प्रभारी निरीक्षक श्याम नारायण पांडेय ने बताया कि मामला रेलवे क्षेत्र का था, जिस कारण शव का पोस्टमार्टम कराने की कार्रवाई राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) द्वारा की गई है। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में 50 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपन बेटे और बहू की प्रताड़ना से परेशान होकर ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान लालजी सिंह (50) के रूप में हुई है और वह गौरीगंज थानाक्षेत्र के असुर गांव का रहने वाला था। पुलिस के मुताबिक, मृतक की जेब से एक सुसाइड नोट भी मिला, जिसमें व्यक्ति ने अपने बेटे और बहू पर उसे प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। गौरीगंज थाना प्रभारी निरीक्षक श्याम नारायण पांडेय ने बताया कि मामला रेलवे क्षेत्र का था, जिस कारण शव का पोस्टमार्टम कराने की कार्रवाई राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) द्वारा की गई है। उन्होंने बताया कि नियमानुसार शव को पोस्टमार्टम के लिए प्रतापगढ़ ले जाया गया है।

मुजफ्फरनगर में ससुराल वालों की प्रताड़ना से तंग व्यक्ति ने जहरीला पदार्थ निगलकर की आत्महत्या

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। थाना प्रभारी जसवीर सिंह ने बताया कि आरिफ को मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज, बेगराजपुर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने कहा, शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। मुजफ्फरनगर जिले में 30 वर्षीय एक व्यक्ति ने कथित तौर पर ससुराल वालों की प्रताड़ना से तंग आकर जहरीला पदार्थ निगलकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान चरथावल शहर के मुर्दा पट्टी निवासी आरिफ के रूप में हुई है। उसने बताया कि आरिफ ने यह कदम उठाने से पहले एक वीडियो रिकॉर्ड किया था, जिसमें उसने अपनी पत्नी और सास-ससुर को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराया था।

पटाखे चले फिर भी प्रदूषण 'कम'

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिवाली पर पटाखे जलाने के बावजूद प्रदूषण कम होने का दावा किया, जबकि निगरानी केंद्रों ने इसे चार साल का उच्चतम स्तर बताया था। उन्होंने दिवाली से पहले और बाद के अदकअंतर को कम बताया तथा प्रदूषण के मुख्य कारण पराली जलाने के मुद्दे पर पंजाब से बात करने की घोषणा की। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दावा किया कि इस साल दिवाली की रात शहर में वायु प्रदूषण पिछले साल की तुलना में कम था। उनका यह बयान निगरानी केन्द्रों द्वारा यह बताये जाने के एक दिन बाद आया है कि दिवाली के दिन दिल्ली का वायु प्रदूषण चार वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था, जिसमें सूक्ष्म प्रदूषक कणों (पीएम 2.5) की सांद्रता 675 पर पहुंच गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह बृहस्पतिवार को पंजाब के एक मंत्री से मुलाकात करेंगी और राज्य सरकार को पराली जलाये जाने के संबंध में दिल्ली की चिंताओं से अवगत कराएंगी। पराली जलाना सर्दियों में

राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण का एक बड़ा कारण है। गुप्ता ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, इस साल दिवाली से पहले और बाद में (औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के बीच) अंतर पिछले साल की तुलना में कम है, भले ही इस बार पटाखे जलाने की अनुमति दी गई थी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए अधिक सतर्कता के साथ सभी आवश्यक कदम उठा रही है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने मंगलवार को कहा था कि दिवाली से पहले दिल्ली में एक्यूआई 341 था और दिवाली के बाद यह केवल 11 बिंदु बढ़कर 356 हुआ है।

महागठबंधन एकजुट, सारे भ्रम जल्द दूर हो जाएंगे: अशोक गहलोत

बिहार (एजेंसी)। सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और वामदलों के बीच जारी आंतरिक मतभेद के चलते महागठबंधन के घटक दल राज्य की कम से कम 11 विधानसभा सीट पर एक-दूसरे के खिलाफ मैदान में हैं। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले सीट बंटवारे को लेकर विपक्षी दलों के महागठबंधन के भीतर जारी चर्चाओं के बीच कांग्रेस ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि गठबंधन पूरी तरह एकजुट है और जल्द सभी भ्रम समाप्त हो जाएंगे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और बिहार चुनाव के लिए पार्टी पर्यवेक्षक अशोक गहलोत ने कहा, तमाम काम बहुत अच्छे से चल रहे हैं। एक-दो दिन में जो भी भ्रम

है, वह पूरी तरह दूर हो जाएगा। पत्रकारों से बातचीत में गहलोत ने स्वीकार किया कि बिहार की 243 विधानसभा सीट में से कुछ पर दोस्ताना मुकाबला की स्थिति बन सकती है, लेकिन उन्होंने इसे किसी बड़े विवाद के रूप में देखने से इनकार किया। उन्होंने कहा, कभी-कभी कार्यकर्ताओं में उत्साह होता है, स्थानीय परिस्थितियों के चलते ऐसी स्थितियां आती हैं। इसे महागठबंधन की कमजोरी नहीं बल्कि लोकतांत्रिक जोश के रूप में देखना चाहिए। सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और वामदलों के बीच जारी आंतरिक मतभेद के चलते महागठबंधन के घटक दल राज्य की कम से कम 11 विधानसभा सीट पर एक-दूसरे के खिलाफ मैदान में हैं।

'तेजस्वी की नियत समझिए, नौकरी के नाम पर घर लेंगे!' भाजपा का सीधा हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता सुधांशु त्रिवेदी ने बुधवार को बिहार में रोजगार सृजन और महिला कल्याण पर राजद नेता तेजस्वी यादव की टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि युवा नेता को बिहार की जनता के साथ मजाक करना बंद करना चाहिए। इस मुद्दे पर बोलते हुए, त्रिवेदी ने कहा कि मैं उनकी ओर से कहना चाहूँगा कि राजद नेताओं की बातों के पीछे की असली मंशा को समझने की कोशिश करनी चाहिए। मिसाल के तौर पर, जब तेजस्वी यादव ने 10 लाख या 20 लाख नौकरियों का वादा किया था, तो जनता शायद उनकी अंतर्निहित भावना को नहीं समझ पाई होगी, लेकिन हमने इसे समझ लिया। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि दूसरे शब्दों में,

उनकी असली भावना यह प्रतीत होती है: सरकारी नौकरी के बदले, वे आपका घर ले लेंगे, जैसे उन्होंने आपकी जमीन ले ली है। जहाँ तक महिला कल्याण की बात है, मेरा मानना है कि लालू प्रसाद यादव के शासनकाल में, आजीविका की बात तो छोड़ ही दीजिए—महिलाओं का जीवन और सम्मान इतने गंभीर खतरे में था कि बिहार आज भी उस दौर को नहीं भूला है। त्रिवेदी ने महिला सशक्तीकरण के लिए नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के तहत किए गए कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बिहार में नीतीश कुमार की सरकार आने के बाद से राज्य में महिला सशक्तीकरण के लिए कई योजनाएं चल रही हैं। भाजपा नेता ने कहा कि हर घर शौचालय, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, मुद्रा योजना, लखपति दीदी और ड्रोन दीदी जैसी सरकारी योजनाएं हमारी 10 साल की सोच का प्रमाण हैं।

शनिवारवाड़ा में नमाज-गोमूत्र विवाद पर फडणवीस का कड़ा संदेश: उल्लंघन पर एक्शन तय

महाराष्ट्र (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पुणे के शनिवारवाड़ा किले को लेकर उठे विवाद पर बात करते हुए सभी नियमों और विनियमों का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने चेतावनी दी कि कानूनों का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विवाद तब शुरू हुआ जब शनिवारवाड़ा में तीन महिलाओं ने नमाज अदा की, जिस पर भाजपा सांसद मेधा कुलकर्णी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। इसके बाद कुलकर्णी और पार्टी कार्यकर्ताओं ने उस जगह का गोमूत्र से 'शुद्धिकरण' किया,

जिससे विभिन्न राजनीतिक दलों में गरमागरम बहस छिड़ गई। कुलकर्णी ने अपने कृत्य का बचाव किया और नमाज अदा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि शनिवारवाड़ा में ऐसी धार्मिक गतिविधियाँ नहीं होनी चाहिए। कुलकर्णी के कृत्य को भाजपा के कुछ हिस्सों में समर्थन मिला, लेकिन एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) सहित भाजपा के सहयोगी दलों ने उनकी आलोचना की। शिवसेना की नीलम गोरहे ने जोर देकर कहा कि चूँकि शनिवारवाड़ा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अंतर्गत एक संरक्षित स्थल है, इसलिए कानून लागू होना चाहिए। एनसीपी नेता रूपाली पाटिल थोम्ब्रे ने सांप्रदायिक तनाव भड़काने के लिए कुलकर्णी के खिलाफ मामला दर्ज करने की माँग की। घटना के बाद, एएसआई ने धरोहर स्थल पर उल्लंघनों की जाँच के लिए मामला दर्ज किया। पुणे पुलिस ने कहा है कि वे आगे की कार्रवाई करने से पहले एएसआई से परामर्श करेंगे। पुलिस उपायुक्त कृषिकेश रावले ने आश्वासन दिया कि मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है और तदनुसार कार्रवाई की जाएगी। शनिवारवाड़ा, पेशवाओं द्वारा 1736 में निर्मित 13 मंजिला महल, पुणे में सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व रखता है।

दीपावली एवं छठ पर्व के अवसर पर स्टेशनों एवं गाड़ियों में यात्रियों की भीड़ को ध्यान में रखकर उनकी सुविधा एवं सुरक्षा हेतु गोरखपुर जं. स्टेशन पर बनाये गये यात्री

गोरखपुरः दीपावली एवं छठ पर्व के अवसर पर स्टेशनों एवं गाड़ियों में यात्रियों की भीड़ को ध्यान में रखकर उनकी सुविधा एवं सुरक्षा हेतु गोरखपुर जं. स्टेशन पर बनाये गये यात्री आश्रय स्थलों एवं स्टेशन पर यात्री सुविधा एवं सुरक्षा हेतु किये गये प्रबंधन का 21 अक्टूबर,2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री उदय बोरवणकर ने निरीक्षण किया तथा यात्रियों से उनके यात्रा अनुभव तथा रेलवे द्वारा उपलब्ध करायी गयी सुविधाओं पर संवाद करने के साथ ही मीडिया को भी भीड़ प्रबंधन हेतु उठाये गये कदमों से अवगत कराया। उन्होंने मीडिया को बताया कि देशभर से यात्रीगण जो है दिपावली और छठ पर्व के लिए विशेष करके उत्तर प्रदेश

और बिहार में यात्रा कर रहे हैं अपने-अपने घरों की तरफ जा रहे है और पर्व के उपरान्त फिर वे अपने-अपने कार्य स्थलों की तरह वापस लौटेंगे तो जो भारी संख्या में भीड़ आती है। रेलवे, जो सबसे ज्यादा लोकप्रिय यात्रा माध्यम है, उससे भारी संख्या में लोग आते हैं। उनके लिए पूर्वोत्तर रेलवे सहित पूरे भारतीय रेल ने बड़े पैमाने पर व्यवस्थाएं की गयी हैं ताकि सभी की यात्रा संरक्षित एवं सुरक्षित ढंग से हो। उन्होंने कहा कि गोरखपुर जं. स्टेशन पर पांच होल्डिंग एरिया बनाये गये है, जिसमें एक समय में 2000 यात्री एक साथ यहां गाड़ी की प्रतिक्षा कर सकते हैं। जब ट्रेन आए उन्हें प्लेटफॉर्म पर ले जाकर कतारबद्ध तरीके से गाड़ियों में बैठाये। निरीक्षण के आरम्भ में गोरखपुर जं. स्टेशन पर बने आश्रय स्थलों का निरीक्षण किया तथा वहाॅ उपलब्ध यात्री सुविधाओं-पीने हेतु शुद्ध पेय जल, उत्कृष्ट प्रकाश व्यवस्था, मोबाइल चार्जिंग, हेल्प डेस्क, ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड, उद्घोषणा प्रणाली, बैठने की व्यवस्था, सी.सी.टी.वी. कैमरा, खान-पान स्टाल आदि का अवलोकन किया तथा वहाॅ बैठकर गाड़ी की प्रतिक्षा कर रहे अथवा बाहर से आये यात्रियों से संवाद कर उनके यात्रा अनुभव की जानकारी प्राप्त की। यात्रियों ने संवाद के दौरान रेलवे द्वारा चलाई जा रही विशेष गाड़ियों, स्टेशन पर प्रदत यात्री सुविधाओं एवं साफ-सफाई पर प्रसन्नता व्यक्त की। आश्रय स्थल में अनारक्षित टिकट की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु मोबाइल यू.टी.एस. के साथ तैनात कर्मचारी से यात्रियों को सुविधापूर्वक टिकट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इसके उपरान्त महाप्रबंधक ने गोरखपुर जं. स्टेशन पर बनाये गये वॉर रूम का निरीक्षण किया तथा सी.सी.टी.वी. के माध्यम से स्टेशन परिसर की निगरानी का अवलोकन किया। उन्होनें यात्री एवं स्टेशन सुरक्षा में तैनात डाॅग स्कायड का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने प्लेटफॉर्म सं.-02 एवं 01 के निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि यहाॅ से यात्रा आरम्भ करने वाले यात्रियों अथवा बाहर से आने वाले यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

छपरा-उधना अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी का संचलन इकहरी यात्रा के लिये किया जायेगा

गोरखपुरः रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा प्रदान करने हेतु यात्रियों की मांग पर 05041 छपरा-उधना अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी का संचलन 22 अक्टूबर, 2025 को इकहरी यात्रा के लिये किया जायेगा। 05041 छपरा-उधना अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी 22 अक्टूबर, 2025 को छपरा से 18.15 बजे प्रस्थान कर सीवान से 19.25 बजे, देवरिया सदर से 20.30 बजे, गोरखपुर से 21.45 बजे, बस्ती से 22.50 बजे दूसरे दिन गोण्डा से 00.25 बजे, ऐशबाग से 03.10 बजे, कानपुर सेन्ट्रल से 04.45 बजे, टुण्डला से 07.45 बजे, ईदगाह से 09.05 बजे, बयाना से 10.52 बजे, कोटा से 14.10 बजे, नागदा से 17.25 बजे, रतलाम से 19.20 बजे तथा बडोदरा से 23.25 बजे छूटकर तीसरे दिन उधना 01.30 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में साधारण द्वितीय/शयनयान श्रेणी के 15 तथा एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 17 कोच लगाये जायेंगे। इस गाड़ी में सभी कोच अनारक्षित होंगे।

रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा प्रदान करने हेतु यात्रियों की मांग पर 05039 बनारस-उधना अनारक्षित

गोरखपुरः रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा प्रदान करने हेतु यात्रियों की मांग पर 05039 बनारस-उधना अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी का संचलन 22 अक्टूबर, 2025 को इकहरी यात्रा के लिये किया जायेगा। 05039 बनारस-उधना अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी 22 अक्टूबर, 2025 को बनारस से 23.45 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन वाराणसी सिटी से 00.15 बजे, मऊ से 01.45 बजे, देवरिया सदर से 03.25 बजे, गोरखपुर से 04.40 बजे, बस्ती से 05.42 बजे, गोण्डा से 07.10 बजे, ऐशबाग से 09.40 बजे, कानपुर सेन्ट्रल से 11.45 बजे, टुण्डला से 14.45 बजे, ईदगाह से 16.05 बजे, बयाना से 17.52 बजे, गंगापुर सिटी से 18.50 बजे, कोटा से 21.15 बजे तीसरे दिन नागदा से 00.25 बजे, रतलाम से 02.20 बजे तथा बडोदरा से 06.25 बजे छूटकर तीसरे दिन उधना 08.30 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में साधारण द्वितीय/शयनयान श्रेणी के 18 तथा एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे। इस गाड़ी में सभी कोच अनारक्षित होंगे।

कासगंज-उधना अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी का संचलन 23 अक्टूबर, 2025 को इकहरी यात्रा के लिये किया जायेगा।

गोरखपुरः रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा प्रदान करने हेतु यात्रियों की मांग पर 05043 कासगंज-उधना अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी का संचलन 23 अक्टूबर, 2025 को इकहरी यात्रा के लिये किया जायेगा। 05043 कासगंज-उधना अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी 23 अक्टूबर, 2025 को कासगंज से 10.40 बजे प्रस्थान कर हाथरस सिटी से 11.50 बजे, मथुरा जं0 13.15 बजे, भरतपुर से 15.10 बजे, हिन्डौन सिटी से 16.05 बजे, गंगापुर सिटी से 16.45 बजे, कोटा से 18.35 बजे, रतलाम से 22.40 बजे तथा दूसरे दिन बडोदरा से 02.45 बजे छूटकर उधना 05.00 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में साधारण द्वितीय/शयनयान श्रेणी के 18 तथा एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे। इस गाड़ी में सभी कोच अनारक्षित होंगे।

वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता जागरूकता रैली निकाल कर यात्रियों एवं कर्मचारियों को जागरूक किया जा रहा है।

गोरखपुरः भारतीय रेल पर 02 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2025 तक चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत 22 अक्टूबर, 2025 को मुख्यालय गोरखपुर, लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता जागरूकता रैली निकाल कर यात्रियों एवं कर्मचारियों को जागरूक किया जा रहा है। इस दौरान प्लेटफार्मो, प्रतीक्षालयों, कार्यालयों, ट्रेनों तथा ट्रैक के दोनों किनारों की सफाई की जा रही है। 22 अक्टूबर, 2025 को लखनऊ मंडल के स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत स्टेशनों पर कार्यरत स्वास्थ्य निरीक्षकों ने संविदा कर्मचारियों एवं रेलवे कर्मचारियों के साथ मिलकर स्वच्छता जन जागरूकता रैली निकाली। इस अभियान के दौरान स्टेशनों, कॉलोनियों, अस्पतालों, डिपो, पटरियों एवं अन्य क्षेत्रों में सफाई की गई तथा नियमित रूप से सूखे एवं गीले कचड़े वाले कुड़ेदान को खाली कर धुलाई की गई। स्वच्छता जागरूकता रैली निकालकर यात्रियों एवं कर्मचारियों को जागरूक किया गया। वाराणसी मंडल के आजमगढ़, बलिया, बनारस, वाराणसी सिटी, गाजीपुर सिटी, भटनी जंक्शन, छपरा, सीवान, देवरिया सदर, मऊ और प्रयागराज रामबाग स्टेशनों पर कार्यरत स्वास्थ्य निरीक्षकों ने स्टेशन पर कार्यरत संविदा एवं रेलवे कर्मचारियों के साथ स्वच्छता जन जागरूकता रैली निकालकर यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इस दौरान कार्यालयों, प्रतीक्षालयों, वाटर बूथ तथा ट्रैक के दोनों किनारों की सफाई की गई। इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर प्लेटफार्मो, प्रतीक्षालयों एवं कार्यालयों की सफाई गई तथा कूड़ेदानों की सफाई कर निर्धारित स्थानों पर रखा गया। इस दौरान सार्वजनिक उपयोगिता वाले क्षेत्र में रखे गये कूड़ेदानों को नियमित रूप से खाली कर धुलाई की गई और क्षतिग्रस्त कूड़ेदानों को हटाकर उसके स्थान पर नये कुड़ेदान रखे गये। स्टेशन परिसर और ट्रैक के दोनों किनारों पर खुली और ढ़की हुई नालियों की सफाई कर चूना एवं कीटनाशक पाउडर का छिड़काव किया गया।

रेलवे प्रशासन द्वारा छठ त्यौहार पर यात्रियों की सुविधा हेतु अनेक विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है

गोरखपुः रेलवे प्रशासन द्वारा छठ त्यौहार पर यात्रियों की सुविधा हेतु अनेक विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। इन विशेष गाड़ियों में माह 10 नवम्बर, 2025 तक के लिये 22 अक्टूबर, 2025 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है। छपरा से चलने वाली 05049 छपरा-अमृतसर पूजा विशेष गाड़ी में 24 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 427 बर्थ तथा 07 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 452 बर्थ उपलब्ध है। लालकुआँ से चलने वाली 05060 लालकुआँ-कोलकाता पूजा विशेष गाड़ी में 06 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 35 बर्थ एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 180 बर्थ उपलब्ध है। छपरा से चलने वाली 04607 छपरा-अमृतसर पूजा विशेष गाड़ी में 27 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 408 बर्थ तथा 10 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 447 उपलब्ध है। गोरखपुर से चलने वाली 05634 गोरखपुर-नारंगी पूजा विशेष गाड़ी में 24 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 489 बर्थ, 31 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 22 बर्थ तथा 07 नवम्बर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 143 बर्थ उपलब्ध है। मऊ से चलने वाली 05301 मऊ-अम्बाला कैंट पूजा विशेष गाड़ी में 23 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 24, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 01 बर्थ तथा 06 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 85, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 310 बर्थ, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 104 बर्थ उपलब्ध है। बढ़नी से चलने वाली 05005 बढ़नी-अमृतसर पूजा विशेष गाड़ी में 29 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 161 बर्थ तथा 05 नवम्बर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 222 बर्थ उपलब्ध है। गोमती नगर से चलने वाली 05314 गोमती नगर-महबूबनगर पूजा विशेष गाड़ी में 26 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 73 बर्थ उपलब्ध है। बनारस से चलने वाली 05047 बनारस-कोलकाता पूजा विशेष गाड़ी में 28 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 442 बर्थ तथा 04 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 1151 बर्थ उपलब्ध है। गोरखपुर से चलने वाली 03132 गोरखपुर-सियालदह पूजा विशेष गाड़ी में 24 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 30 बर्थ उपलब्ध है। गोरखपुर से चलने वाली 03528 गोरखपुर-आसनसोल पूजा विशेष गाड़ी में 25 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 78, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 336 एवं शयनयान श्रेणी में 383 बर्थ, 01 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 64, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 276 बर्थ, शयनयान श्रेणी में 131 बर्थ तथा 08 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 75, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 347 एवं शयनयान श्रेणी में 384 बर्थ उपलब्ध है। गोरखपुर से चलने वाली 08630 गोरखपुर-रांची पूजा विशेष गाड़ी में 26 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 09, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 43 एवं शयनयान श्रेणी में 487 बर्थ उपलब्ध है। गोरखपुर से चलने वाली 03678 गोरखपुर-धनबाद पूजा विशेष गाड़ी में 27 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 73, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 89, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 399, शयनयान श्रेणी में 167 बर्थ, 03 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 62, शयनयान श्रेणी में 246 बर्थ तथा 10 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 78, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 96, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 403, शयनयान श्रेणी में 324 बर्थ उपलब्ध है। गोरखपुर से चलने वाली 04021 गोरखपुर-नई दिल्ली पूजा विशेष गाड़ी में 01 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 21 तथा 08 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 18, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 72, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 343, शयनयान श्रेणी में 306 बर्थ उपलब्ध है। सीतामढ़ी से चलने वाली 04015 सीतामढ़ी-आनन्द विहार टर्मिनस पूजा विशेष गाड़ी में 24 अक्टूबर,2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 15, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 06, शयनयान श्रेणी में 505 बर्थ, 25 अक्टूबर,2025 को शयनयान श्रेणी में 402 बर्थ, 26 अक्टूबर,2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 21, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 09, शयनयान श्रेणी में 592 बर्थ, 27 अक्टूबर,2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 22, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 23, शयनयान श्रेणी में 568 बर्थ, 04 नवम्बर,2025 को शयनयान श्रेणी में 331 बर्थ, 05 नवम्बर,2025 को शयनयान श्रेणी में 183 बर्थ, 06 नवम्बर,2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 12, शयनयान श्रेणी में 266 बर्थ, 07 नवम्बर,2025 को शयनयान श्रेणी में 407 बर्थ, 08 नवम्बर,2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 02 बर्थ, शयनयान श्रेणी में 492 बर्थ, 09 नवम्बर,2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 25, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 26, शयनयान श्रेणी में 579 बर्थ उपलब्ध है। हसनपुर रोड से चलने वाली 04097 हसनपुर-नई दिल्ली पूजा विशेष गाड़ी में 24 अक्टूबर,2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 933 बर्थ, 25 अक्टूबर,2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 890 बर्थ, 26 अक्टूबर,2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 959 बर्थ, 27 अक्टूबर,2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 943 बर्थ, 03 नवम्बर,2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 375 बर्थ, 04 नवम्बर,2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 714 बर्थ, 05 नवम्बर,2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 799 बर्थ उपलब्ध है। दरभंगा से चलने वाली 04449 दरभंगा-नई दिल्ली पूजा विशेष गाड़ी में 24 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 120 बर्थ, 25 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 266 बर्थ, 26 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 447 बर्थ तथा 27 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 425 बर्थ उपलब्ध है। सीतामढ़ी से चलने वाली 04009 सीतामढ़ी-दिल्ली पूजा विशेष गाड़ी में 24 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 06 बर्थ, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 61, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 88, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 242 बर्थ, शयनयान श्रेणी में 271 बर्थ तथा 07 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 16 बर्थ, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 57, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 88, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 235 बर्थ, शयनयान श्रेणी में 255 बर्थ उपलब्ध है।

रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है

गोरखपुरः रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है।

इसी क्रम में, 19 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट व राजकीय रेलवे पुलिस, बनारस की संयुक्त निगरानी के दौरान बनारस स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 01 से एक शातिर अपराधी को यात्री से चोरी किये मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया गया। 18 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट व राजकीय रेलवे पुलिस, गोरखपुर के संयुक्त निगरानी के दौरान गोरखपुर स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 01 से 02 शातिर अपराधियों को यात्रियों से चोरी किये 03 अद्द मोबाइल एवं नगद के साथ गिरफ्तार किया गया।

19 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट लखनऊ जं0 को निगरानी के दौरान स्टेशन के यात्री हाल में 13 वर्ष की एक नाबालिग लड़की लावारिस हालत में मिली। पूछताछ के उपरान्त उक्त लड़की को चाइल्ड लाइन, लखनऊ जं0 को सुपुर्द किया गया।

20 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट प्रयागराज रामबाग को निगरानी के दौरान गाड़ी रेलवे स्टेशन ज्ञानपुर रोड पर गाड़ी सं0 09526 में यात्री का छूटा बैग मिला, जिसे ज्ञानपुर रोड पोस्ट पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया। 17 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोण्डा को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 01415 में यात्री का छूटा पिट्ठू बैग मिला, जिसे गोण्डा पोस्ट पर जमा किया गया। 20 अक्टूबर, 2025 को यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त पिट्ठू बैग सुपुर्द किया गया। 20 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट ऐशबाग को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 04406 में यात्री का छूटा ट्राली बैग मिला, जिसे ऐशबाग पोस्ट पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त ट्राली बैग सुपुर्द किया गया। 19 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट कन्नौज को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 55346 में यात्री का छूटा बैग मिला, जिसे कन्नौज पोस्ट पर जमा किया गया। 20 अक्टूबर, 2025 को यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया। 18 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट ऐशबाग को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 19715 में यात्री का छूटा बैग मिला, जिसे ऐशबाग पोस्ट पर जमा किया गया।यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया।

रेलवे प्रशासन द्वारा छठ पर्व पर रेल यात्रियों की सुविधा हेतु पूजा विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है

गोरखपुरः रेलवे प्रशासन द्वारा छठ पर्व पर रेल यात्रियों की सुविधा हेतु पूजा विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। 23 अक्टूबर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से चलने वाली पूजा विशेष गाड़ियाँ निम्नवत है। 23 अक्टूबर, 2025 को 05301 मऊ-अम्बाला कैंट पूजा विशेष गाड़ी मऊ से 04.00 बजे प्रस्थान कर गोरखपुर, गोंडा, सीतापुर होते हुये चलाई जायेगी। 23 अक्टूबर, 2025 को 05062 टनकपुर-अछनेरा पूजा विशेष गाड़ी टनकपुर से 04.35 बजे प्रस्थान कर पीलीभीत, इज्जतनगर, कासगंज, मथुरा जं. होते हुये चलाई जायेगी। 23 अक्टूबर, 2025 को 05131 गोरखपुर-बहराइच पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 05.25 बजे प्रस्थान कर आनन्दनगर, बढ़नी, गोंडा होते हुये चलाई जायेगी। 23 अक्टूबर, 2025 को 01052 बनारस-लोकमान्य तिलक टर्मिनस पूजा विशेष गाड़ी बनारस से 06.35 बजे प्रस्थान कर वाराणसी जं., सूबेदारगंज, गोविन्दपुरी, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. (झांसी) होते हुये चलाई जायेगी। 23 अक्टूबर, 2025 को 05060 लालकुआँ-कोलकाता पूजा विशेष गाड़ी लालकुआँ से 13.35 बजे प्रस्थान कर पीलीभीत, मैलानी, सीतापुर, गोंडा, गोरखपुर, छपरा होते हुये चलाई जायेगी। 23 अक्टूबर, 2025 को 03530 गोरखपुर-आसनसोल पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 13.45 बजे प्रस्थान कर सीवान, छपरा होते हुये चलाई जायेगी। 23 अक्टूबर, 2025 को 01080 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (मुम्बई) पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 14.30 बजे प्रस्थान कर गोंडा, कानपुर सेंट्रल, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. (झांसी) होते हुये चलाई जायेगी।

संक्षिप्त खबरें

नई दिल्ली-दरभंगा अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी का निम्नवत किया जा रहा है

गोरखपुरः रेलवे प्रशासन द्वारा त्यौहार पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये यात्रियों की मांग पर 22 अक्टूबर, 2025 को नई दिल्ली से 04434 नई दिल्ली-दरभंगा अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी का निम्नवत किया जा रहा है। 04434 नई दिल्ली-दरभंगा वाया गाजियाबाद अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी 22 अक्टूबर, 2025 को नई दिल्ली से 13.20 बजे प्रस्थान कर गाजियाबाद से 14.00 बजे, कानपुर सेन्ट्रल से 22.00 बजे, उन्नाव से 22.23 बजे दूसरे दिन ऐशबाग से 00.15 बजे, बादशाहनगर से 00.37 बजे, गोण्डा से 03.08 बजे, गोरखपुर से 06.00, देवरिया सदर से 06.48 बजे, सीवान से 08.07 बजे, छपरा से 09.40 बजे, सोनपुर से 10.57 बजे, हाजीपुर से 11.14 बजे, मुजफ्फरपुर से 12.08 बजे तथा समस्तीपुर से 14.05 बजे छूटकर दरभंगा 16.00 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में संशोधित संरचना के अनुसार शयनयान श्रेणी के 14, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04 तथा एस.एल.आर. के 02 कोच सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे।

चंडीगढ़ से 23.50 बजे इकहरी यात्रा के लिये कटिहार तक किया जायेगा।

गोरखपुर : रेलवे प्रशासन द्वारा त्यौहार पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये 04562 चंडीगढ़-कटिहार अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी का संचलन अम्बाला कैण्ट, यमुना नगर जगाधरी, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर, गोण्डा, बस्ती, गोरखपुर, सीवान, छपरा, हाजीपुर, शाहपुर पटोरी, बरौनी, खगडिया, मानसी, सहरसा स्टेशनों पर ठहराव देते हुए 22 अक्टूबर, 2025 को चंडीगढ़ से 23.50 बजे इकहरी यात्रा के लिये कटिहार तक किया जायेगा। इस गाड़ी में एल.एस.एल.आर.डी. का 01, जनरेटर सह लगेज यान का 01 तथा साधारण द्वितीय श्रेणी/शयनयान श्रेणी के 08 कोचो सहित कुल 10 अनारक्षित कोच लगाये जायेंगे। इसी प्रकार 04564 सरहिन्द-सहरसा अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी का संचलन राजपुरा, अम्बाला कैण्ट, यमुना नगर जगाधरी, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर, गोण्डा, बस्ती, गोरखपुर, सीवान, छपरा, हाजीपुर, शाहपुर पटोरी, बरौनी, खगडिया, मानसी, सहरसा स्टेशनों पर ठहराव देते हुए 23 अक्टूबर, 2025 को सरहिन्द. से 13.10 बजे इकहरी यात्रा के लिये सहरसा तक किया जायेगा। इस गाड़ी में साधारण द्वितीय श्रेणी के 09, शयनयान श्रेणी का 01 तथा एस.एल.आर. के 01 कोच सहित कुल 11 अनारक्षित कोच लगाये जायेंगे।

रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा प्रदान करने हेतु यात्रियों की मांग पर 05035 बढ़नी-पुणे अनारक्षित त्यौहार विशेष गाड़ी का संचलन

गोरखपुरः रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा प्रदान करने हेतु यात्रियों की मांग पर 05035 बढ़नी-पुणे अनारक्षित त्यौहार विशेष गाड़ी का संचलन 23 अक्टूबर,2025 को इकहरी यात्रा के लिये किया जायेगा। 05035 बढ़नी-पुणे अनारक्षित विशेष गाड़ी 23 अक्टूबर,2025 को बढ़नी से 07.45 बजे प्रस्थान कर तुलसीपुर से 08.27 बजे, बलरामपुर से 08.54 बजे, गोण्डा से 09.50 बजे, बादशाहनगर से 12.17 बजे, ऐशबाग से 12.50 बजे, उन्नाव से 13.48 बजे, कानपुर सेण्ट्रल से 14.35 बजे, उरई से 16.04 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं0 झांसी से 18.23 बजे, बीना से 21.00 बजे, भोपाल से 22.50 बजे, रानी कमलापति जं0 से 23.04 बजे, दूसरे दिन इटारसी से 01.10 बजे, खण्डवा से 04.10 बजे, भुसावल से 05.50 बजे, मनमाड से 08.35 बजे, कोपरगांव से 09.50 बजे तथा अहिल्यागनगर से 12.00 बजे छूटकर पुणे 16.15 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में साधारण द्वितीय/शयनयान श्रेणी के 15 तथा एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 17 कोच लगाये जायेंगे। इस गाड़ी में सभी कोच अनारक्षित होंगे।

अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी का संचलन साबरमती से 22 से 25 अक्टूबर, 2025 तक तथा मुजफ्फरपुर से फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा।

गोरखपुरः रेलवे प्रशासन द्वारा छठ पर्व के अवसर पर यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुये 09483/09484 साबरमती-मुजफ्फरपुर-साबरमती अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी का संचलन साबरमती से 22 से 25 अक्टूबर, 2025 तक तथा मुजफ्फरपुर से 24 से 27 अक्टूबर, 2025 तक 04 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 09483 साबरमती-मुजफ्फरपुर अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी 22 से 25 अक्टूबर, 2025 तक साबरमती से 23.30 बजे प्रस्थान कर दूसर दिन महेसाना से 00.40 बजे, पालनपुर से 02.02 बजे, आबू रोड से 03.10 बजे, मारवाड़ से 04.35 बजे, अजमेर से 06.20 बजे, जयपुर से 08.30 बजे, ईदगाह आगरा जं. से 12.35 बजे, टूण्डला से 13.12 बजे, कानपुर सेंट्रल से 17.10 बजे, लखनऊ (उत्तर रेलवे) से 18.50 बजे, बाराबंकी से 19.22 बजे, गोंडा से 21.10 बजे, बस्ती से 22.02 बजे, गोरखपुर से 23.55 बजे, तीसरे दिन सीवान से 02.02 बजे, छपरा से 03.30 बजे, सोनपुर से 04.35 बजे तथा हाजीपुर से 04.55 बजे छूटकर मुजफ्फरपुर 07.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 09484 मुजफ्फरपुर-साबरमती अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी 24 से 27 अक्टूबर, 2025 तक मुजफ्फरपुर से 10.30 बजे प्रस्थान कर हाजीपुर से 12.25 बजे, सोनपुर से 12.45 बजे, छपरा से 14.10 बजे, सीवान से 15.07 बजे, गोरखपुर से 17.20 बजे, बस्ती से 18.42 बजे, गोंडा से 20.10 बजे, बाराबंकी से 22.02 बजे, लखनऊ (उत्तर रेलवे) से 23.00 बजे, दूसरे कानपुर सेंट्रल से 00.50 बजे, टूण्डला से 04.25 बजे, ईदगाह आगरा जं. से 05.45 बजे, जयपुर से 10.40 बजे, अजमेर से 13.15 बजे, मारवाड़ से 15.05 बजे, आबू रोड से 18.15 बजे, पालनपुर से 19.12 बजे तथा महेसाना से 20.07 बजे छूटकर साबरमती 22.00 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी/सामान्य द्वितीय श्रेणी/द्वितीय श्रेणी कुसीर्यान के 18 तथा एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे। इसमें गाड़ी में सभी कोच अनारक्षित श्रेणी के होंगे।

शिवसेना ने आजम खान के फोटो पर कालिख पोती

बस्ती। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र स्थित निर्मली कुंड प्रांगण में बुधवार को शिवसेना के कार्यकताओं ने समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान के एक फोटो पर कालिख पोत दी। यह घटना उस समय हुई जब शिवसेना की टीम छठ पर्व की तैयारियों का निरीक्षण करने पहुंची थी। शिवसेना जिला प्रभारी प्रमोद पांडे ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। शिवसेना टीम के अनुसार, निर्मली कुंड प्रांगण एक धार्मिक स्थल है, जहां किसी भी राजनीतिक दल या नेता के पोस्टर-बैनर नहीं लगाए जाने चाहिए। पांडे ने कहा- यह आस्था और सनातन परंपरा का केंद्र है, यहां राजनीति की कोई जगह नहीं है। इस दौरान शिवसेना के जिला अध्यक्ष आशीष गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिलीप दुबे, विवेक सिंह बघेल सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। टीम ने निर्मली कुंड की साफ-सफाई व्यवस्था और छठ पर्व की तैयारियों का भी जायजा लिया। शिवसेना ने प्रशासन से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाटों पर प्रकाश, सुरक्षा और स्वच्छता की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की अपील की। घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय लोगों में मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिली, कुछ ने शिवसेना की कार्रवाई का समर्थन किया, जबकि कुछ ने इसे राजनीतिक प्रदर्शन बताया।

गृहिणी होती है असली गृह लक्ष्मी: स्वामी

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री और अपनी जनता पार्टी के अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार उन्होंने माता लक्ष्मी की पूजा पर सवाल उठाए हैं। श्री मौर्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक ट्वीट में गृहणी को असली गृह लक्ष्मी बताया और माता लक्ष्मी को बाहरवाली लक्ष्मी करार दिया। इस ट्वीट के बाद विवाद बढ़ने पर मौर्य ने अपनी बात स्पष्ट की है। उन्होंने अपने ट्वीट में दीपोत्सव के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं।

गृहिणी होती है असली गृह लक्ष्मी: स्वामी

स्वामी प्रसाद मौर्य का विवादास्पद बयान, लक्ष्मी पूजा पर उठाए सवाल

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री और अपनी जनता पार्टी के अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार उन्होंने माता लक्ष्मी की पूजा पर सवाल उठाए हैं। श्री मौर्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक ट्वीट में गृहणी को असली गृह लक्ष्मी बताया और माता लक्ष्मी को बाहरवाली लक्ष्मी करार दिया। इस ट्वीट के बाद विवाद बढ़ने पर मौर्य ने अपनी बात स्पष्ट की है। उन्होंने अपने ट्वीट में दीपोत्सव के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हमें अपने घरों में दीप जलाने के साथ-साथ पड़ोसियों के घरों में भी दीप जलाने का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने असली गृह लक्ष्मी, यानी गृहणी की पूजा और सम्मान करने की बात की, जो घर को सुंदर और स्वर्ग जैसा बनाती हैं। मौर्य ने कहा कि बाहरवाली लक्ष्मी केवल बाजार से आती हैं और फिर चली जाती

हैं, जिससे देश की आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं होता।मौर्य ने कहा कि उन्होंने दीपोत्सव पर शुभकामनाएं दीं और लोगों से अपने घरों में दीप जलाने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि देवी लक्ष्मी की पूजा एक परंपरा हो सकती है, लेकिन यह वास्तविकता से दूर है। यदि लक्ष्मी की पूजा से धन आता, तो भारत गरीब देशों की सूची में नहीं होता।स्वामी प्रसाद मौर्य ने यह भी कहा कि 80 करोड़ लोग जो 5-10 किलो चावल पर जीवन यापन कर रहे हैं, क्या वे अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिला सकते हैं? उन्होंने बेरोजगारी की समस्या पर भी चिंता जताई और कहा कि यदि धन की देवी लक्ष्मी से प्रार्थना करने से गरीबी दूर होती, तो देश की स्थिति अलग होती। उन्होंने किसी पूजा का विरोध नहीं किया है, बल्कि उन्होंने केवल यह कहा कि असली गृह लक्ष्मी गृहिणी होती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि पूजा करनी है, तो घर की देवी यानी गृहिणी की पूजा करें ताकि घर में सुख-समृद्धि बनी रहे।

चटोरी गली में दबंगों ने युवक को पीटा,बचाने आई पुलिस को गालियां दी

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ की मशहूर चटोरी गली में बवाल हो गया। कुछ युवकों ने एक युवक की पिटाई कर दी। पुलिस से भी दबंगों ने अभद्रता की। गौतमपल्ली थाना पुलिस ने घटना में शामिल युवकों की पहचान शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, देर रात चटोरी गली में कुछ युवक आपस में कहासुनी के बाद भिड़ गए। देखते ही देखते विवाद बढ़ा और एक युवक की जमकर पिटाई कर दी गई। आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव का प्रयास किया, लेकिन मारपीट करने वाले युवक नहीं माने। पुलिस ने जब विवाद शांत कराने की कोशिश की तो दबंगों ने वदीर्धारी जवानों से भी धक्का-मुक्की शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक आरोपी ने तो पुलिसकर्मी का गिरेबान पकड़कर गाली-गलौज की। इससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ की है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस के मुताबिक, घटना में शामिल कुछ युवकों की पहचान हो गई है। जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी। थाना प्रभारी गौतमपल्ली ने बताया- पुलिस टीम से अभद्रता और मारपीट करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

मीट व्यवसायी को चाकू मारा, आरोपी ने जलता पटाखा दुकान के सामने फेंका

लखनऊ (संवाददाता)। बंथरा थाना क्षेत्र में पटाखा छुड़ाने के विवाद में एक मीट व्यवसायी पर चाकू से हमला किया गया। इस हमले में व्यवसायी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बंथरा बाजार निवासी मन्नान ने बताया कि सोमवार रात करीब 8.30 बजे मोहल्ले के अर्जुन ने उस पर पटाखा फेंक दिया। मन्नान के विरोध करने पर अर्जुन ने गाली-गलौज करते हुए झगड़ा शुरू कर दिया। जब मन्नान के परिवार वाले बीच-बचाव के लिए आए, तो आरोपी अर्जुन ने मन्नान के चाचा और मीट व्यवसायी मन्नान पर चाकू से हमला कर दिया। मन्नान के दाहिने हाथ और पेट में चाकू लगने से वह लहूलुहान हो गया। इस दौरान पीड़ित मन्ना के भाई आरिफ को भी चोटें आईं।आरोप है कि अर्जुन ने अपने साथियों सूरज, मनोज, राज और एक अन्य के साथ मिलकर पीड़ित के घर पर पथराव किया और घर में घुसकर परिवार वालों के साथ मारपीट की। घायल मन्नान को पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसके पेट में छह टांके लगे। हालांकि, इलाज के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बंद घर को चोरों ने बनाया निशाना,4 ताले तोड़कर 50 हजार नकदी चोरी

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के बख्शी का तालाब बरगदी मगठ गांव में अज्ञात चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाते हुए चोरी को अंजाम दिया। वार्ड-12 निवासी आशिया अपने परिवार के साथ रिश्तेदारी में जानकीपुरम गई थीं। इसी बीच चोरों ने उनके मकान के चार ताले तोड़ दिए और घर का कोना-कोना खंगाल डाला। चोरी की यह वारदात मंगलवार रात करीब 2 से 4 बजे के बीच हुई। चोर एलसीडी टीवी, गैस सिलेंडर, 50 हजार रुपए नकद, बच्चों की गुल्लक, आधा तोला सोने के जेवर और कीमती कपड़े तक उठा ले गए। तीन अलमारियों के लॉकर तोड़कर सारा सामान समेटा गया। बुधवार सुबह करीब 6 बजे पड़ोसियों ने मुख्य गेट का टूटा ताला देखकर आशिया को फोन पर सूचना दी। घर पहुंचकर उन्होंने 112 नंबर पर पुलिस को कॉल किया। आशिया ने बीकेटी थाने में चोरी की लिखित शिकायत दी है

पतंगबाजी के विवाद में किशोर व महिलाओं को भी नीटा

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के हुसैनगंज इलाके में पतंगबाजी के मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि विवाद के बाद कुछ दबंग युवक एक किशोर के घर में घुस आए और उसके साथ मारपीट की। बचाव में आईं महिलाओं से भी हाथापाई की। मामला थाने तक पहुंचा है, पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित हर्ष शर्मा ने बताया कि सोमवार शाम करीब 5 बजे उनका छोटा भाई वंश शर्मा (14 वर्ष) छत पर पतंग उड़ा रहा था। इसी दौरान पास की दूसरी छतों से कुछ लड़के भी पतंगबाजी कर रहे थे। आरोप है कि उन लड़कों ने वंश की पतंग कई बार काटी, जिससे दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। कुछ देर बाद आरोपी मारूफ अपने साथियों हंजला, समीर उर्फ उन्नू और जुनैद के साथ घर में घुस आया। चारों सीधे छत पर पहुंचे और वंश को गाली देते हुए थप्पड़ मारने लगे। शोर सुनकर परिवार के अन्य सदस्य बीच-बचाव के लिए आए, तो उनके साथ भी धक्का-मुक्की की गई। आरोपियों ने महिलाओं से भी मारपीट और अभद्रता की। शोरगुल सुनकर मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे, तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। हर्ष शर्मा की तहरीर पर हुसैनगंज थाने में एफआईआर दर्ज कर ली है।

जैन समाज ने मनाया 2552वां निर्वाण महोत्सव, अर्पित किए निर्वाण लाडू

लखनऊ (संवाददाता)। जैन धर्म के 24वें और अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर का 2552वां निर्वाण महोत्सव गोमती नगर स्थित जैन मंदिर में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। जैन समाज अमावस्या की पूर्व बेला में भगवान महावीर को प्राप्त हुए मोक्ष को निर्वाण दिवस के रूप में मनाता है। इस अवसर पर मंदिर में सुबह भगवान का अभिषेक और विशेष पूजन संपन्न हुआ। इसके बाद श्रद्धालुओं ने निर्वाण लाडू चढ़ाए। इस विशेष पूजन का संचालन कुमारी वैभवी ने किया। महिला मंडल की सदस्यों ने भी सुंदर निर्वाण लाडू बनाकर भगवान को अर्पित किए। कार्यक्रम में मुख्य शांतिधारा का सौभाग्य प्रकाश चंद्र और लोकेश-राजेश जैन परिवार को मिला। वहीं, मुख्य लाडू संगीता-अविनाश जैन परिवार द्वारा चढ़ाया गया।समाज के लोगों ने भगवान महावीर के उपदेशों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इस दौरान मंदिर अध्यक्ष प्रदीप जैन, मंत्री आलोक जैन, संदीप, विनय कपूर, जय कुमार, विशाल, निकान्त, अमित, राकेश, रचित, दीपक और पंडित पीयूष सहित महिला मंडल की अनीता जैन, दीपाली, दीपिका, अर्चना, संगीता, जूली, सपना, मोना, वैशाली और पिंकी प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं।

छठ पूजा की तैयारी शुरू,लक्ष्मण झूला मैदान पर गोमती से मलबा निकाला

लखनऊ (संवाददाता)। छठ महापर्व को लेकर लखनऊ में तैयारियां तेज हो गई हैं। लक्ष्मण झूला मैदान और आस-पास के घाटों पर सफाई अभियान जोरों पर है। गोमती नदी में जमा मलबा और कचरा हटाने के लिए बड़ी-बड़ी मशीनें लगाई गई हैं, ताकि श्रद्धालुओं को स्नान और अर्घ्य के समय किसी तरह की दिक्कत न हो। लखनऊ मंडल के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत और लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने वोट के जरिए लक्ष्मण झूला घाट का निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने घाटों की सफाई, लाइटिंग, और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए संबंधित विभागों को काम जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि छठ पर्व के दौरान लाखों श्रद्धालु गोमती किनारे पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। इस बार साफ-सुथरे और सुरक्षित घाट तैयार करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। नगर निगम और सिंचाई विभाग की टीमों को लगातार निगरानी में काम करने को कहा गया है। घाटों पर बिजली के अस्थायी खंभे लगाए जा रहे हैं ताकि शाम के समय पर्याप्त रोशनी रहे।

देवती करोरा सहकारी समिति का भाकियू लोकशक्ति 25 अक्टूबर को घेराव करेगी

लखनऊ (संवाददाता)। जनपद में खाद की किल्लत से परेशान किसानों के समर्थन में भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति (भाकियू लोकशक्ति) 25 अक्टूबर को देवती (करोरा) स्थित सहकारी समिति का घेराव करेगी। संगठन ने किसानों को खाद न मिलने और अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई न होने पर यह निर्णय लिया है। भाकियू लोकशक्ति के जिला संरक्षक लखनऊ रज्जन लाल वर्मा ने एक प्रेस वार्ता में बताया कि सहकारी समितियों में खाद आते ही किसानों की लंबी लाइनें लग जाती हैं। कई किसान सुबह से इंतजार करने के बाद भी शाम को खाली हाथ और निराश होकर घर लौट जाते हैं। इस स्थिति से किसानों में भारी आक्रोश है। वर्मा ने बताया कि उर्वरक के अभाव में किसानों की फसलें प्रभावित हो रही हैं, जिससे उन्हें भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि खाद वितरण व्यवस्था में कहीं न कहीं गड़बड़ी है, जिसके कारण किसानों को समय पर खाद नहीं मिल पा रही है। किसानों के बढ़ते आक्रोश को देखते हुए, भाकियू लोकशक्ति के पदाधिकारियों ने 9 अक्टूबर को मोहनलालगंज खण्ड विकास अधिकारी को स्थिति से अवगत कराया था। उन्होंने बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति लि. (बी पैक्स) देवती (करोरा) में अप्रैल से सितंबर तक आई, बिकी और शेष खाद की मात्रा तथा कितने किसानों को वितरित की गई, इसकी जांच की मांग की थी।

बीजेपी के पूर्व विधायक राम सरोज का निधन, लखनऊ पीजीआई में ली अंतिम सांस

लखनऊ (संवाददाता)। भारतीय जनता पा (भाजपा) के वयोवृद्ध नेता और पूर्व विधायक सोमारु राम सरोज का लखनऊ के संजय गांधी स्नाकोत्तर आर्युविज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) में निधन हो गया। वह करीब 85 वर्ष के थे। जिले की राजनीति में अपनी सादगी, जनसेवा और ईमानदार छवि के लिए पहचान रखने वाले पूर्व विधायक के निधन की सूचना पर यहां

शोक की लहर फैल गयी। राजनीतिक, सामाजिक व धार्मिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार श्री सरोज पिछले चार महीने से बीमार चल रह थे। 28 सितंबर को उनकी तबीयत गंभीर होने पर उन्हें लखनऊ के पीजीआई में भर्ती कराया गया था, जहां शाम लगभग छह बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।

बाढ़ प्रभावित पंजाब को यूपी ने भेजे एक हजार क्विंटल गेहूं के बीज

लखनऊ (संवाददाता)। बाढ़ से बेहाल पंजाब के किसानों को गेहूं के उन्नत एक हजार क्विंटल बीज यूपी सरकार ने भेजे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाहनों को हरी झंडी दिखाकर पंजाब के लिए रवाना किया। उन्नत किस्म का रोग प्रतिरोधी गेहूं का बीज पंजाब के किसानों के लिए भेजा गया है।पांच कालिदास मार्ग स्थित सरकारी आवास पर आयोजित कार्यक्रम में योगी ने कहा कि केंद्र व उप्र की डबल इंजन सरकार पंजाब के किसानों के साथ मजबूती से खड़ी हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के हित में बड़े कार्य किए जा रहे हैं। योगी ने कहा,आपदा की घड़ी में पंजाब के किसान अकेले नहीं हैं। भारत सरकार पर्याप्त मात्रा में फंड उपलब्ध करा रही है। आपदा से निपटने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार पीड़ितों के साथ है। प्रदेश के कृषि विभाग और उप्र बीज विकास निगम की ओर से 2500 बोरे अर्थात एक हजार क्विंटल उन्नत किस्म का डीबीडब्ल्यू-327 किस्म का गेहूं बीज पंजाब को भेजा है। इस गेहूं बीज को करन शिवानी नाम से भी जाना जाता है। यह रोग प्रतिरोधी व जिंक बॉयो-फोर्टिफाइड है। यह बीज 155 दिनों में तैयार हो जाता है और औसतन प्रति हेक्टेयर 80 क्विंटल इसकी उपज है।यूपी में लगातार कृषि उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। उप्र में देश की 11 प्रतिशत कृषि योग्य भूमि आती है और यह देश का 21 प्रतिशत खाद्यान्न का उत्पादन करता है। आज देश की खाद्यान्न आत्मनिर्भरता में यूपी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उप्र बीज विकास निगम का लाभांश अब 148 करोड़ रुपये हो गया है। दीपावली का पांच दिवसीय पर्व और खास हो गया है क्योंकि हम अपनी खुशी व उत्साह में पीड़ित लोगों को शामिल कर उनका दर्द बांटने जा रहे हैं। पंजाब के किसानों को इससे राहत मिलेगी। इससे पहले यूपी सरकार ने हिमांचल प्रदेश, उत्तराखंड व पंजाब के लोगों को बाढ़ राहत सामग्री भेजी थी।प्रदेश में उन्नत किस्म के बीज किसानों को उपलब्ध कराने के लिए पांच सीड पार्क बनाए जाएंगे। लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के नाम पर सीड पार्क बनेगा। कार्यक्रम में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख व कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार आदि मौजूद रहे।

कारोबारी से 1.18 करोड़ ठगी करने वाला गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के साइबर ठगों ने एक कारोबारी को डिजिटल अरेस्ट में रखकर 1.18 करोड़ की ठगी कर ली। ठगों ने खुद को पुलिस और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अधिकारी बताकर पीड़ित को इतना डरा दिया कि उसने अपनी जमा-पूंजी ट्रांसफर कर दी। साइबर क्राइम पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार कर लिया है। 22 सितंबर 2025 को पीड़ित होरक भट्टाचार्य के मोबाइल पर एक व्यक्ति ने कॉल आया। जिसने खुद को पुलिस अधिकारी विजय खन्ना बताते कहा कि उनके नाम से दिल्ली केनरा बैंक में एक फर्जी खाता खोला गया है, जिसमें ठगी का पैसा जमा हो रहा है। थोड़ी देर बाद एक अन्य व्यक्ति ने खुद को ईडी अधिकारी राहुल गुप्ता बताते हुए फोन किया और जांच में सहयोग करने के लिए कहा। राहुल गुप्ता ने जांच गोपनीय बताते हुए किसी से बात न करने की चेतावनी दी और डिजिटल अरेस्ट कर लिया। लगातार व्हाट्सऐप कॉल व चौट के जरिए पीड़ित पर दबाव बनाते रहे। डर के माहौल में फंसकर पीड़ित ने अलग-अलग खातों में कुल 1 करोड़ 18 लाख 55 हजार जमा कर दिए। बाद में उसे एहसास हुआ कि वह साइबर जालसाजों का शिकार हो गया है। ठगों ने पीड़ित को विश्वास दिलाने के लिए फर्जी गिरफ्तारी वारंट और कोर्ट के सीजर आदेश भी भेजे। डर और धमकी के बीच वादी ने बिना किसी जांच के पूरा पैसा ट्रांसफर कर दिया। घटना के खुलासे के लिए टीम बनाई गई।टीम के प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार यादव ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान सैफलपुर मलिहाबाद निवासी कमलेश कुमार के रूप में हुई। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पहले घर पर मिठाई बनाकर दुकानों पर सप्लाई करता था। अगस्त माह में उसकी मुलाकात सीतापुर निवासी अनुराग से हुई। जिसने उसे बताया कि अगर वह अपने नाम से बैंक खाता खोलकर उससे जुड़ा सिम दे देगा तो लेनदेन का 2: कमीशन मिलेगा।कमीशन के लालच में आरोपी ने गोमतीनगर, पत्रकारपुरम स्थित इंडसइंड बैंक में खाता खुलवाया और सारे दस्तावेज व सिम अनुराग को दे दिए। पूछताछ में सामने आया कि अनुराग विदेश में बैठे फ्रॉडस्टरों से जुड़ा था। पूरे ट्रांजैक्शन पर 5: कमीशन यूएसडीटी (क्रिप्टो करेंसी) में लेता था। आरोपी के खाते में ठगी के करोड़ों रुपये आए हैं। एनसीसीआरपी पोर्टल पर जांच में पूरे देश से 22 शिकायतें इस खाते से जुड़ी मिलीं। साइबर अपराधी कोरियर पैकेटों से मिले सिम कार्ड, आधार और इंक सिग्नेचर का दुरुपयोग करते हैं। वे पुलिस, ईडी या सीबीआई अधिकारी बनकर नागरिकों को डराते हैं कि उनके नाम पर अपराध हुआ है। इसके बाद उन्हें वीडियो कॉल के जरिए डिजिटल हाउस अरेस्ट में रखकर रकम वसूलते हैं।

दिवाली में आतिशबाजी के बाद गाजियाबाद की हवा सबसे खराब, लखनऊ-वाराणसी का भी हाल भी बेहाल

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश जहां अब दिवाली की खुशियों के बाद अब लोगों की चिंता बढ़ गई है,,, चारों तरफ घनी धुंध ने दिन-रात का नजारा बदल दिया है। सुबह उठते ही आंखों में जलन, सांस लेने में तकली जैसी दिक्क्तें लोगों को झेलनी पड़ रही है। ये हाल यूपी के किसी एक शहर का नहीं हैं बल्कि ऐसे कई शहर हैं जहां एक्यूआई खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है जो साफ-साफ चेतावनी दे रहा है कि हवा में जहरीले कणों की मात्रा अब नियंत्रण से बाहर है। बता दें कि प्रदेश में वायु प्रदूषण का स्तर खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है। खासकर पीएम 2.5 और पीएम 10 के कारण,,,एक्यूआई 150-400 के खतरनाक स्तर पर है बता दें कि कई और ऐसे शहर है जहां दिवाली पर बढे वायु प्रदूषण के चलते हवा बिगड़ गयी है। जहां लोगों को सांस लेने में तकलीफ और आँखों में जलन हो रहा है। अगर बात करें यूपी में तापमान की तो ज्यादातर शहरों का तापमान 22 डिग्री सेल्सियस से 24 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। इसके अलावा कई जगह तापमान 28 डिग्री तक जाएगा। मौसम विभाग के मुताबिक अब बारिश की कोई संभावना नहीं है। जिसके चलते धुंध बढ़ेगी और प्रदूषण का स्तर बढ़ेगा। मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक यूपी में अगले 24 घंटे धुंध और कोहरे से विजिबिलिटी प्रभावित रहेगी, साथ ही हवा का दबाव भी कम रहेगा,,, हल्की ठंड का असर सुबह और शाम दिखेगा, और मौसम में बदलाव एक हफ्ते के भीतर तेजी से महसूस होगा।

मैनेजर की संदिग्ध हालात में मौत, हॉस्पिटल में मिला शव

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में हॉस्पिटल के मैनेजर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका शव अस्पताल के सर्वेंट रूम में मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला और उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। घटना मंगलवार रात में मुंशी पुलिया स्थित सन एराइज हॉस्पिटल में हुई। मैनेजर की पहचान 30 वर्षीय आयुष जायसवाल के रूप में हुई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आयुष मंगलवार रात हॉस्पिटल के सर्वेंट रूम में सो रहे थे। रात में हॉस्पिटल के स्टाफ ने आवाज लगाई, तो अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। काफी देर तक आवाज लगाने और दरवाजा खटखटाने के बाद भी कोई जवाब नहीं मिलने पर स्टाफ को अनहोनी की आशंका हुई। स्टाफ ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दरवाजा तोड़वाया। पुलिस और स्टाफ कमरे में पहुंची। आयुष का शव जमीन पर पड़ा था। मौके पर किसी तरह की छीना-झपटी या जबरदस्ती के निशान नहीं थे। आयुष ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने के बाद कमरे से साक्ष्य एकत्र किए। आयुष मूल रूप से श्रावस्ती के रहने वाले थे। परिवार में पत्नी आरती, दो बेटे, एक बेटी है। वह चिनहट में किराए पर रहते थे। परिवार दिवाली पर गांव गया था। मंगलवार रात वह किसी काम से हॉस्पिटल गए। वहीं पर सर्वेंट रूम में सो गए थे। विनीत गुप्ता ने बताया- आयुष एराइज हॉस्पिटल में काम करते थे। रात को 2 बजे घर से वापस आए। एक मरीज को अटेंड किया था। उसकी डेथ हुई तो डेथ सर्टिफिकेट बनवाया। उसके बाद तड़के 4 बजे हॉस्पिटल के ही गेस्ट रूम में लेटने चले गए। हॉस्पिटल के ही लोगों ने बताया- अंदर से दरवाजा बंद था।हॉस्पिटल के लोगों ने परिजनों को तब तक कोई सूचना नहीं दी जब तक कि खुद ही दरवाजा तोड़कर नहीं देख लिया। आयुष के मामा के लड़के मनीष जायसवाल ने हम लोगों को सूचना दी कि आयुष हॉस्पिटल में मृत पाए गए हैं। हॉस्पिटल के ओनर और आयुष यहां पार्टनरशिप में काम कर रहे थे।

इस्कॉन टेंपल में सवा लाख दीप जलाए, मंदिर का कोना-कोना जगमग हुआ

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के इस्कॉन टेंपल में दीपोत्सव मनाया गया। सवा लाख दीप जलाकर दिवाली मनाई गई। कंदील उड़ाकर और पटाखे फोड़कर भक्तों ने जश्न मनाया। हरे रामा-हरे कृष्णा के भजन पर जमकर झूमे। मंदिर के अध्यक्ष अपरिमेय श्यामदास ने कहा- हम दो हमारे दो वाली दीपावली न मनाएं। घर से निकले और समाज के साथ खुशियां मनाएं। सुशांत गोल्फ सिटी स्थित इस्कॉन टेंपल (श्री श्री राधा रमण बिहारी मंदिर) में बड़ी संख्या में लखनऊ समेत आस-पास के जिलों के भक्त शामिल हुए। 1.25 लाख दीयों से मंदिर का कोना कोना सजाया गया। दीयों की रोशनी से पूरा मंदिर जगमगा गया। मंदिर के अध्यक्ष अपरिमेय श्यामदास ने कहा हम दो हमारे दो वाली दीपावली न मनाएं। घर से निकले और समाज के साथ खुशियां मनाएं। उन्होंने बताया कि सुबह से ही 250 से अधिक कृष्ण भक्तों ने मिलकर दीप को व्यवस्थित करने मंदिर को सजाने जाने में योगदान दिया। कई सप्ताह पहले श्री कृष्ण भक्त दीपक उत्सव को सफल बनाने के लिए मेहनत और प्लानिंग शुरू कर देते हैं। मंदिर में हजारों की संख्या में भक्तों ने उपस्थिति दर्ज कराई। दीप में शुद्ध देसी घी का प्रयोग करके दीयों को जलाया गया। श्री कृष्णा, राधा कृष्ण, बांसुरी और दीपक के रूपष की झांकियां दीयों के माध्यम से अलग-अलग जगह पर सजाई गईं। आध्यात्मिक चेतना लेने वाली युवतियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होने वाली मंडली ने कार्यक्रम को और अधिक खास बनाया। अपरिमेय श्यामदास ने कहा मंदिर में आने वाले सभी भक्तों को संदेश है कि राधा रमण बिहारी के साथ आएं। गुरुजनों की बात माने। सत्संग करें। गीता पढ़े और आनंद लें। राधाकृष्ण नाम जपने से शांति मिलती है। उन्होंने कहा मंदिर में बड़ी संख्या में युवा आते हैं। इस दीप उत्सव की ज्यादातर जिम्मेदारियां वह बखूबी निभा रहे हैं। दीप उत्सव के बाद मंदिर में कीर्तन-भजन हुआ। गोवर्धन कथा, महाआरती और अन्नकूट परिक्रमा के बाद भंडारा वितरण किया गया।

चाइनीज मांझे से युवक की नाक कटी

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में खुलेआम बिक रहे चाइनीज मांझे ने एक बार फिर खतरे की घंटी बजा दी है। 21 अक्टूबर की शाम हनीमैन चौराहे से पहले जेटीआरआई के पास बाइक से जा रहे पंडित आदर्श तिवारी के चेहरे पर मांझा लिपट गया। वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी नाक कट गई। उसमें 6 टांके लगें। गर्दन में भी घाव हो गया।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, घटना उस वक्त हुई जब आदर्श तिवारी बाइक पर सवार होकर सड़क पार कर रहे थे। अचानक हवा में उड़ रही पतंग का चाइनीज मांझा उनके चेहरे और गर्दन पर लिपट गया, जिससे वे बुरी तरह घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोग राहगीरों की मदद से उन्हें लोहिया अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार हुआ। बाद उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां टांके लगाए गए और चेहरे की पट्टी की गई। एमिटी यूनिवर्सिटी के पास रहने वाले घायल पंडित आदर्श तिवारी ने बताया कि शहर में जगह-जगह खुलेआम चाइनीज मांझा बिक रहा है। यह बेहद खतरनाक है। समय रहते लोग न चेते, तो किसी की भी जान जा सकती है। उन्होंने प्रशासन से अपील की कि चाइनीज मांझे को लेकर सख्ती बरती जाए। सरकार ने कई बार चाइनीज मांझे की बिक्री पर रोक लगाई है, क्योंकि यह धातु और कांच के महीन टुकड़ों से बना होता है, जो बेहद धारदार होता है।

लखनऊ में बुजुर्ग से पेशाब चटवाना मानवता पर कलंक: चंद्रशेखर

संजय सिंह ने कहा, जानवरों जैसा सलूक, पूर्व बीजेपी सांसद पीड़ित से मिले

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में दलित बुजुर्ग से मंदिर में पेशाब चटवाने के मामले में सियासत गरमा गई है। सांसद चंद्रशेखर ने कहा- यह सिर्फ अपराध नहीं, बल्कि दलित विरोधी मानसिकता का नंगा प्रदर्शन है। यह मानवता के लिए कलंक ही नहीं, बल्कि संविधान की आत्मा पर भी प्रहार है। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा इंसान के साथ जानवर जैसा सलूक किया गया। मोहनलालगंज से बीजेपी के पूर्व सांसद कौशल किशोर और विधायक अमरेश रावत ने बुधवार सुबह बुजुर्ग से मुलाकात की। कौशल किशोर ने रामपाल को अपना साथी बताते हुए घटना को दुर्भाग्यपूर्ण कहा। मोहनलालगंज से सपा सांसद आरके चौधरी ने भी बुधवार दोपहर पीड़ित से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी बुजुर्ग को न्याय दिलाने के लिए हर लड़ाई लड़ेगी। काकोरी थाना क्षेत्र में सोमवार की रात बीमार रामपाल (65) शीतला माता मंदिर के सामने से गुजर रहे थे, तभी अचानक उन्हें दिक्कत महसूस हुई। तबीयत खराब होते ही रामपाल मंदिर की सीढ़ियों पर बैठ गए। तभी उनकी पेशाब छूट गई। यह देखते ही मंदिर के सामने की दुकान से एक दबंग बुजुर्ग के पास आया। उसने बुजुर्ग से कहा कि मंदिर में पेशाब कर दी। अब इसे शुद्ध करना होगा। पहले बुजुर्ग से पेशाब चटवाई। फिर पानी से पूरा मंदिर धुलवाया। आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने मंगलवार रात इस मामले को लेकर एक्स पर पोस्ट किया। पीड़ित बुजुर्ग का वीडियो पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा- जाति पूछी-धर्म नहीं। ठश्रचराज में दलित होना अपराध है। पासी समाज से आने वाले इस बुजुर्ग से मंदिर में पेशाब चटवाई गई। इंसान के साथ जानवर जैसा व्यवहार। ये नया भारत है। पूर्व सांसद कौशल किशोर ने कहा कि रामपाल हमारे पुराने साथी हैं। कोई भी काम पड़ता था, तो साथ रहते थे। उनके साथ हुई ये घटना काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। यह अपमानजनक बात है, लेकिन रामपाल ने काफी सूझबूझ से काम किया। रात को घटना न बताकर सुबह के समय बताया, वरना बड़ा विवाद हो सकता था। इसके बाद परिजन पुलिस के पास गए और मुकदमा दर्ज कराया। यह घटना काफी अमानवीय है। रामपाल की तबीयत खराब रहती है। उन्होंने पेशाब की नहीं थी। अपने आप हो गई थी। रात को जब इस घटना की जानकारी हुई, तो मैंने विधायक अमरेश रावत से भी बातचीत की।

मंत्र भारत

लखनऊ-गुरूवार,23 अक्टूबर 2025

सम्पादकीय

त्योहार के मौसम में सफर

दीपावली और छठ पर्व करीब आते ही राजधानी दिल्ली सहित देशभर के कई रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। खासतौर से उत्तर प्रदेश और बिहार के हजारों प्रवासी अपने घर लौटने के लिए देश भर के रेलवे स्टेशनों पर दिखाई दे रहे हैं। गुजरात के सूरत से एक हैरान करने वाली तस्वीर सामने आई है। सूरत के उधना रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर 6 से करीब दो किलोमीटर दूर तक यात्रियों की लंबी लाइन लगी थी। स्टेशन परिसर में और परिसर के बाहर लिम्बायत इलाके में यात्रियों की लंबी कतारें लग गई थीं। 12-14 घंटों तक लोग लाइनों में लगे रहे ताकि उन्हें ट्रेन में चढ़ने मिल जाए। प्रधानमंत्री मोदी ने जब से देश की सत्ता संभाली है, उन्होंने लोगों को कतारों में खड़ा करने का काम शुरू कर दिया है। पहले नोटबंदी के वक्त लोग इसी तरह घंटों लाइन में लगे रहते थे। फिर कोरोना के समय लॉकडाउन कर दिया तो लोग घर लौटने के लिए बस, ट्रेन के इंतजार में लाइन में लग गए। बीमार हुए तो अस्पतालों में बिस्तर कम होने के कारण भर्ती के इंतजार में लाइन में लगे और बिस्तर मिल गए तो ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए लाइन में लगे। हालांकि इसके बाद भी राहत नहीं मिली, क्योंकि फिर अपने मृत परिजनों के अंतिम संस्कार के लिए भी कतारों में लगने का दर्द लोगों को सहना पड़ा है। पांच साल में देश-दुनिया में बहुत कुछ बदल गया है। लेकिन भारत जैसे वहीं का वहीं है। प्रधानमंत्री मोदी तीसरी बार सत्ता में आ गए। वे अब भी यहां-वहां ट्रेनों को हरी झंडियां दिखा रहे हैं, नए विमानतलों का उद्घाटन कर रहे हैं। उनका दावा अब भी वही है कि मैं हवाई चप्पल वालों को हवाई जहाज में यात्रा करते देखना चाहता हूं। लेकिन हकीकत ये है कि न नई ट्रेनों का लाभ आम आदमियों को मिल रहा है, न हवाई चप्पल वाले हवाई यात्रा करने का सुख पा रहे हैं। बल्कि पहले से अधिक असुविधा और अपमानजनक रवैया का शिकार हो रही है। अपने घर जाने के लिए घंटों लाइन में लगकर यात्री ट्रेन में चढ़ने की कोशिश करें, यह किसी भी देश के लिए शर्मिंदगी का प्रसंग होना चाहिए। लेकिन भारत में अब ऐसे प्रसंगों पर आंख मूंद ली जाती है, मानो इनका कोई महत्व ही नहीं है। इसकी बजाए प्रचार तंत्र के जरिए यह दिखाया जा रहा है कि सरकार को यात्रियों की कितनी फिक्र है। शनिवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचकर भीड़ नियंत्रण की तैयारियों का जायजा लिया। बताया गया कि स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए यात्री सुविधा केंद्र और अतिरिक्त टिकटिंग काउंटर बनाए गए हैं। अच्छी बात है कि दिल्ली के एक स्टेशन पर इतनी सुविधा की गई है। लेकिन क्या यात्री केवल दिल्ली से ही सवार होते हैं। सूरत में लगी लाइन पर रेल मंत्री क्या कहेंगे। क्या प्रधानमंत्री मोदी को अपने ही गृहराज्य में प्रवासी मजदूरों की इस भीड़ को देखकर अपने विकास के दावे खोखले नहीं लगते। ध्यान दें कि अभी बिहार चुनावों में प्रधानमंत्री मोदी जितनी बार बिहार पहुंच रहे हैं, वे विकास की बड़ी-बड़ी बातें ही कर रहे हैं। दावे कर रहे हैं कि डबल इंजन की सरकार में सबको सुख मिलेगा। हालांकि बिहार में अब भी डबल इंजन यानी बीजेपी और जेडीयू की ही सरकार है, तब भी वहां लोगों को रोजगार नहीं मिला और काम की तलाश में ही लोगों को दूसरे राज्यों का रुख करना पड़ा। बिहार का मजदूर गुजरात से लेकर दिल्ली, उत्तराखंड, असम और कश्मीर तक हर जगह मिल जाएगा। इसी मजदूर वर्ग को छठ पूजा के लिए जब अपने घर-गांव लौटने का मन होता है, तो वो ट्रेनों में भेड़-बकरियों की तरह ठूंस कर भी आने की कोशिश करता है। हालांकि इसमें कई बार जान का जोखिम होता है। जैसे तीन दिन पहले मुंबई से बिहार जाने वाली कर्मभूमि एक्सप्रेस को पकड़ने की कोशिश में तीन यात्री ट्रेन की चपेट में आ गए। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। बताया जा रहा है कि नासिक रेलवे स्टेशन पर ये हादसा हुआ। कर्मभूमि एक्सप्रेस यहां रुकती नहीं है, लेकिन धीमी होती है। जिस पर चढ़ने की कोशिश तीन लोगों ने की। मान लिया कि उन लोगों ने चलती ट्रेन में चढ़ने की भारी गलती की और ट्रेन का स्टॉपेज नहीं है, तो उस पर नहीं चढ़ना चाहिए था। लेकिन कोई तो मजबूरी रही होगी जिस वजह से ऐसा जोखिम पीड़ितों ने उठाया होगा। त्योहार के मौसम में सरकार ऐसी व्यवस्था पहले से क्यों नहीं करती कि सारे लोग आराम से आना-जाना कर सकें। नयी ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने और फोटो खिंचवाने के लिए तो प्रधानमंत्री या रेल मंत्री जैसे पद नहीं बने हैं। इन पदों पर बैठने वाले नेताओं की पहली प्राथमिकता आम आदमी की सुख सुविधा होना चाहिए। देश में रेल की नयी पटरियां बिछे, नए मार्ग तैयार हों, कम कीमत में सुरक्षित यात्रा का इंतजाम हो। आलीशान ट्रेनों की जगह ठीकठाक सुविधाओं वाली साधारण ट्रेनें ज्यादा से ज्यादा चलें, तो करोड़ों लोगों के जीवन में थोड़ा चैन आ जाएगा। इस सफलता का श्रेय फिर सरकार को ही जाएगा, ये बात नरेन्द्र मोदी क्यों नहीं समझ रहे हैं।

अमित शाह हैं संकटमोचन, संगठनशिल्पी और लौहपुरुष

अमित शाह ने सहकारिता मंत्रालय को मात्र एक विभाग नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के पुनर्जागरण का आंदोलन बना दिया। उनकी दृष्टि में सहकारिता केवल आर्थिक संरचना नहीं, बल्कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास का व्यवहारिक दर्शन है। भारत की राजनीति में कुछ नाम ऐसे होते हैं जो केवल पदों से नहीं, अपने कर्म, दृष्टि, दृढ़ता, संकल्प और राष्ट्रभावना से पहचान पाते हैं। अमित अनिलचंद्र शाह ऐसा ही एक नाम है-संघर्षों में तपे, संगठन के शिल्पी और राष्ट्र की सुरक्षा एवं एकता के प्रहरी। एक प्रभावशाली और कुशल राजनीतिज्ञ के रूप में, अमित शाह का भारतीय राजनीति में एक प्रमुख स्थान है। गृह एवं सहकारिता मंत्री के रूप में उन्होंने भारत की आंतरिक सुरक्षा, सामाजिक एकता और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में जो क्रांतिकारी एवं युगांतकारी कार्य किए हैं, वे उन्हें हमारे समय का लौहपुरुष सिद्ध करते हैं-सरदार वल्लभभाई पटेल की परंपरा के सच्चे उत्तराधिकारी। निश्चित ही शाह एक युगांतरकारी एवं युग-निमार्ता लोकनायक हैं। उन्हें अक्सर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करीबी सहयोगी, कुशल शासक और पार्टी के लिए एक प्रमुख चुनावी रणनीतिकार माना जाता है। एक किशोर के रूप में, वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में शामिल हो गए। यहीं से उनके राजनीतिक सफर की शुरूआत हुई। 1987 में वह भाजपा के युवा मोर्चा के सदस्य बने। गुजरात में नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान, अमित शाह एक शक्तिशाली नेता के रूप में उभरे। उन्होंने कई महत्वपूर्ण मंत्रालय संभाले, जिनमें गृह, कानून और न्याय और परिवहन शामिल थे। अमित शाह ने सहकारिता मंत्रालय को मात्र एक विभाग नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के पुनर्जागरण का आंदोलन बना दिया। उनकी दृष्टि में सहकारिता केवल आर्थिक संरचना नहीं, बल्कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास का व्यवहारिक दर्शन है। उन्होंने शक्कर कारखानों से लेकर डेयरी, कृषि-उद्योग, बीज उत्पादन और विपणन तक सहकारिता को एक नई गति दी। देश के पहले राष्ट्रीय सहकारिता नीति मसौदे की तैयारी, पीएसी के डिजिटलीकरण और 200,000 प्राथमिक कृषि साख समितियों को मल्टी-डायमेंशनल मॉडल में बदलने की दिशा में उनका काम ऐतिहासिक है। उनके नेतृत्व में सहकारिता अब आत्मनिर्भर भारत की रीढ़ बन चुकी है, जहाँ किसान केवल उत्पादक नहीं, बल्कि साझेदार हैं। अमित शाह ने सहकारिता को नई भाषा दी-सहकार से समृद्धि। भारत के भीतरी हिस्सों में दशकों से नक्सलवाद ने भय, असुरक्षा और विकासहीनता का माहौल बनाया था। अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने समग्र रणनीति के तहत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में निर्णायक कार्रवाई की। कानून-व्यवस्था, खुफिया सूचना और स्थानीय विकास के त्रिस्तरीय ढांचे पर आधारित इस नीति ने नक्सलवाद को जड़ों से हिला दिया। आज भारत के 90 प्रतिशत से अधिक नक्सल क्षेत्र शांति के मार्ग पर लौट रहे हैं, निकट भविष्य में भारत नक्सल मुक्त राष्ट्र बन जायेगा, यह अमित शाह की सूझबूझ, संकल्प और दृढ़ता का परिणाम है। उनका विश्वास रहा-गोलियों से नहीं, विकास और संवाद से आतंक मिटाया जा सकता है। उनकी अलग कार्यशैली की झलक अध्यक्ष बनने के बाद से ही पार्टी को दिखने लगी थी। अमित शाह का नाम जम्मू-कश्मीर के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। उनकी रणनीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 का हटाया जाना केवल एक संवैधानिक निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्र की अखंडता का संकल्प था। यह उस विभाजनकारी मानसिकता पर अंतिम प्रहार था जिसने वर्षों तक कश्मीर को अलगाव की आग में झोंक रखा था। आज घाटी में तिरंगा गर्व से लहराता है, पर्यटन और निवेश के नए द्वार खुल रहे हैं, और युवाओं में आत्मविश्वास लौट रहा है-यह अमित शाह की निर्भीक राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है। उन्होंने संसद में कहा था-कश्मीर भारत का मुकुट है, और जब तक इसकी हर घाटी में शांति और विकास नहीं आता, तब तक हमारा प्रयास अधूरा रहेगा। शाह की कार्यशैली में सबसे अहम है कि किसी चीज को पहले से भांपने की। कश्मीर से 370 हटाने का मामला हो या फिर किसी चुनावी रणनीति की तैयारी, उन्हें अंदाजा हो जाता है कि किस मोहरे को कहां बिठाना है। इसी का असर है कि अनुच्छेद 370 हटाने के बाद अब तक कश्मीर में शांति एवं वहां शांतिपूर्ण चुनाव का होना है तो अयोध्या जैसे सदियों के विवाद का अंत शांतिपूर्ण तरीके से हो जाना है। गृह मंत्री के रूप में अमित शाह ने देश की सुरक्षा व्यवस्था को नई ऊँचाई दी। आतंकी नेटवर्क के विरुद्ध कड़े कानून, एनआईए की शक्ति में वृद्धि, सीमा सुरक्षा में तकनीकी नवाचार और पुलिस सुधारों की नई पहल-इन सबने भारत की आंतरिक मजबूती को सुदृढ़ किया है। उन्होंने शून्य सहनशीलता नीति को व्यवहार में उतारा। चाहे दिल्ली दंगे हों या सीमा पार आतंकवाद की चुनौती-हर परिस्थिति में उनका निर्णय तेज, संतुलित और राष्ट्रहित में रहा। उनके कार्यकाल में भारत में आंतरिक सुरक्षा का सबसे स्थिर दौर देखा जा रहा है, जहाँ आतंक, नक्सलवाद और अलगाववाद तीनों पर नियंत्रण स्थापित हुआ है। राजनीतिक दृष्टि से अमित शाह को मोदी के हनुमान कहा जाता है, क्योंकि वे न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबसे विश्वसनीय सहयोगी हैं, बल्कि उनकी दृष्टि को व्यवहार में उतारने वाले कर्मयोद्धा भी हैं। 2014 से 2020 तक, उन्होंने भाजपा के 10वें अध्यक्ष के रूप पार्टी को 70 से अधिक देशों के बराबर सदस्य संख्या वाला विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बनाया। 2014 और 2019 के चुनावों में उनकी रणनीति, संगठन और जनसंपर्क ने भाजपा को ऐतिहासिक विजय दिलाई। उनके रणनीतिक कौशल ने पार्टी को सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया। लेकिन उनकी पहचान राजनीति से परे है-वे राष्ट्रीय एकता के संरक्षक, सुरक्षा के प्रहरी और सहकारिता के संचारक हैं।

देश के पहले राष्ट्रीय सहकारिता नीति मसौदे की तैयारी, पीएसी के डिजिटलीकरण और 200,000 प्राथमिक कृषि साख समितियों को मल्टी-डायमेंशनल मॉडल में बदलने की दिशा में उनका काम ऐतिहासिक है। उनके नेतृत्व में सहकारिता अब आत्मनिर्भर भारत की रीढ़ बन चुकी है, जहाँ किसान केवल उत्पादक नहीं, बल्कि साझेदार हैं। अमित शाह ने सहकारिता को नई भाषा दी-सहकार से समृद्धि। भारत के भीतरी हिस्सों में दशकों से नक्सलवाद ने भय, असुरक्षा और विकासहीनता का माहौल बनाया था। अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने समग्र रणनीति के तहत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में निर्णायक कार्रवाई की। कानून-व्यवस्था, खुफिया सूचना और स्थानीय विकास के त्रिस्तरीय ढांचे पर आधारित इस नीति ने नक्सलवाद को जड़ों से हिला दिया। आज भारत के 90 प्रतिशत से अधिक नक्सल क्षेत्र शांति के मार्ग पर लौट रहे हैं, निकट भविष्य में भारत नक्सल मुक्त राष्ट्र बन जायेगा, यह अमित शाह की सूझबूझ, संकल्प और दृढ़ता का परिणाम है। उनका विश्वास रहा-गोलियों से नहीं, विकास और संवाद से आतंक मिटाया जा सकता है। उनकी अलग कार्यशैली की झलक अध्यक्ष बनने के बाद से ही पार्टी को दिखने लगी थी। अमित शाह का नाम जम्मू-कश्मीर के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। उनकी रणनीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 का हटाया जाना केवल एक संवैधानिक निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्र की अखंडता का संकल्प था। यह उस विभाजनकारी मानसिकता पर अंतिम प्रहार था जिसने वर्षों तक कश्मीर को अलगाव की आग में झोंक रखा था। आज घाटी में तिरंगा गर्व से लहराता है, पर्यटन और निवेश के नए द्वार खुल रहे हैं, और युवाओं में आत्मविश्वास लौट रहा है-यह अमित शाह की निर्भीक राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है। उन्होंने संसद में कहा था-कश्मीर भारत का मुकुट है, और जब तक इसकी हर घाटी में शांति और विकास नहीं आता, तब तक हमारा प्रयास अधूरा रहेगा। शाह की कार्यशैली में सबसे अहम है कि किसी चीज को पहले से भांपने की। कश्मीर से 370 हटाने का मामला हो या फिर किसी चुनावी रणनीति की तैयारी, उन्हें अंदाजा हो जाता है कि किस मोहरे को कहां बिठाना है। इसी का असर है कि अनुच्छेद 370 हटाने के बाद अब तक कश्मीर में शांति एवं वहां शांतिपूर्ण चुनाव का होना है तो अयोध्या जैसे सदियों के विवाद का अंत शांतिपूर्ण तरीके से हो जाना है। गृह मंत्री के रूप में अमित शाह ने देश की सुरक्षा व्यवस्था को नई ऊँचाई दी। आतंकी नेटवर्क के विरुद्ध कड़े कानून, एनआईए की शक्ति में वृद्धि, सीमा सुरक्षा में तकनीकी नवाचार और पुलिस सुधारों की नई पहल-इन सबने भारत की आंतरिक मजबूती को सुदृढ़ किया है। उन्होंने शून्य सहनशीलता नीति को व्यवहार में उतारा। चाहे दिल्ली दंगे हों या सीमा पार आतंकवाद की चुनौती-हर परिस्थिति में उनका निर्णय तेज, संतुलित और राष्ट्रहित में रहा। उनके कार्यकाल में भारत में आंतरिक सुरक्षा का सबसे स्थिर दौर देखा जा रहा है, जहाँ आतंक, नक्सलवाद और अलगाववाद तीनों पर नियंत्रण स्थापित हुआ है।

कभी-कभी हार न मानना ही उपदेश बन जाता है

कुछ साल पहले, मेरा एक करीबी दोस्त शराब की लत में बुरी तरह फंस गया था। एक होनहार, काबिल नौजवान को शराब की लत में गिरते देखना दिल दहला देने वाला था। एक रात वह अपनी कार लेकर, पूरी तरह नशे में, लोनावला (मुम्बई) तक चला गया। मैं उसे बार-बार फोन करता रहा, उससे रुकने, वापस मुडने और किसी सुरक्षित जगह पर गाड़ी रोकने की विनती करता रहा। उसने मेरे ज्यादातर फोन का जवाब नहीं दिया। आखिरकार जब उसने फोन उठाया तो उसकी आवाज लडखड़ा रही थी और वह गुस्से में था। मुझे लगा कि उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या कर रहा है। महीनों बाद, जब वह किसी तरह शराब पीना छोड़ पाया तो वह मुझसे कॉफी हाऊस पर मिला और कुछ ऐसा कहा जो मैं कभी नहीं भूलूंगा। उसने कहा, बॉब, तुम्हें याद है वह रात जब मैं नशे में गाड़ी चला रहा था और तुम मुझे बार-बार फोन कर रहे थे। तुम्हें लगा था कि मैं तुम्हें सुन नहीं पा रहा हूं लेकिन मैं सुन रहा था और उस धुंध में, एक ही बात मेरे दिमाग से नहीं निकल रही थी, कि क्या मैं इतना काबिल हूं कि बॉब मुझे फोन करता रहे? क्योंकि यही वह वक्त था जब मैं खुद को सबसे ज्यादा नाकाबिल महसूस कर रहा था। मैं पीना बंद नहीं कर पा रहा था। मैंने सबको निराश किया था, खुद को भी। लेकिन तुम्हारे फोन मुझे कुछ और बता रहे थे कि कोई अब भी मुझे बचाने लायक समझता है। मैं काफी देर तक चुप रहा। उसके शब्दों ने मुझे बरसों में सुनी किसी भी बात

से ज्यादा गहरा धक्का पहुंचाया। हम अक्सर सोचते हैं कि लोगों को उपदेश देने, उन्हें डांटने या उन्हें लंबा-चौड़ा उपदेश देने से वे वापस आ जाएंगे। लेकिन कभी-कभी, बस हार न मानने का काम ही उपदेश बन जाता है। हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जहां लोगों को आसानी से नजरअंदाज कर दिया जाता है। एक बार असफल हो जाओ और तुम्हें नकार दिया जाता है। किसी कमजोरी से जूझो और तुम्हें निराशाजनक करार दे दिया जाता है। अपना रास्ता भटक जाओ और अचानक हर कोई यह दिखावा करने लगता है कि वे तुम्हें जानते ही नहीं थे। हम इसे व्यावहारिक होना कहते हैं। लेकिन असल में इससे यही पता चलता है कि हम भूल गए हैं कि अनुग्रह कैसे काम करता है। मेरा दोस्त इसलिए संयम में नहीं लौटा क्योंकि किसी ने उसे पाप के बारे में उपदेश दिया था। वह कई कारणों से लौटा लेकिन उनमें से एक यह था कि किसी को विश्वास था कि वह अभी भी योग्य है। उस विश्वास ने उसके अंदर एक ड्रूषचगारी जलाई जब उसके अंदर खुद की कोई रोशनी नहीं बची थी। इस समय हमारे आस-पास ऐसे लोग हैं जो चुपचाप अपने ही राक्षसों से लड़ रहे हैं। जैसे नशे की लत, अवसाद, असफलता और शर्म। आपको शायद पता न हो लेकिन आपका धैर्य, आपका फोन कॉल, उनका साथ न छोडना ही शायद उन्हें बचा सकता है। जब हम किसी को उसके सबसे बुरे समय में देखते हैं और फिर भी उसे प्यार के लायक समझते हैं तो हम वही दोहराते हैं जो परमेश्वर हर दिन हमारे साथ करता है। वह पुकारना कभी बंद नहीं करता। जब हम पूरी गति से गलत दिशा में गाड़ी चला रहे होते हैं, तब भी वह फोन करता रहता है, फुसफुसाता रहता है और कहता है, तुम अब भी मेरे हो। तो अगली बार जब कोई आपको निराश करे तो जल्दी से वहां से न जाएं। यह न सोचें कि उनकी मदद नहीं की जा सकती। याद रखें कि आपकी दृढ़ता एक दिन उन्हें यह कहने पर मजबूर कर सकती है, क्या मैं सचमुच इतना योग्य हूं। और हो सकता है कि आंसुओं और जागृति के माध्यम से पूछा गया यह प्रश्न, उनके घर वापसी के सफर की शुरूआत हो!

हर कॉल के बाद झूठा दावा करने वाले ट्रंप से क्या मोदी को आसियान सम्मेलन में मिलना चाहिए?

मंगलवार रात को ट्रंप ने दिवाली समारोह का आयोजन किया था जिसमें अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा और कई प्रमुख भारतीय मूल के व्यापारिक नेता शामिल हुए। समारोह में अपने संबोधन में ट्रंप ने फिर से अपना यह दावा दोहराया कि भारत, रूस से कच्चा तेल नहीं खरीदेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ऐसा बयान दिया है जिसने न केवल कूटनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है, बल्कि यह भी दिखाया है कि वाशिंगटन की राजनीति में भारत का उल्लेख प्रायः घरेलू उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया जाता है। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में दीपावली समारोह के दौरान दावा किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि भारत रूस से बहुत अधिक तेल नहीं खरीदेगा। उन्होंने कहा, मोदी ने बताया है कि भारत अब रूस से बहुत ज्यादा तेल नहीं खरीदेगा। वे भी चाहते हैं कि यूक्रेन युद्ध समाप्त हो। वहीं बातचीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप आपके फोन करने और दिवाली की शुभकामनाएं देने के लिए धन्यवाद। रोशनी के इस पर्व पर दोनों महान लोकतंत्र दुनिया को आशा की किरण दिखाते रहें और आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ एकजुट रहें।

गौर करने वाली बात यह है कि मोदी और ट्रंप के बीच 16 सितंबर के बाद से फोन पर हुई यह तीसरी बातचीत है जिसकी सार्वजनिक रूप से जानकारी दी गयी है। सार्वजनिक जानकारी में जहां प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसी कोई बात नहीं कही है जिससे यह प्रदर्शित होता हो कि रूसी तेल को लेकर दोनों नेताओं के बीच कोई बातचीत हुई तो वहीं ट्रंप ने अपने बयान में रूसी तेल खरीद को लेकर फिर से अपना पुराना दावा दोहरा दिया है। हम आपको बता दें कि मंगलवार रात को ट्रंप ने दिवाली समारोह का आयोजन किया था जिसमें अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा और कई प्रमुख भारतीय मूल के व्यापारिक नेता शामिल हुए। समारोह में अपने संबोधन में ट्रंप ने फिर से अपना यह दावा दोहराया कि भारत, रूस से कच्चा तेल नहीं खरीदेगा। देखा जाये तो यह दावा न तो भारत सरकार की किसी आधिकारिक घोषणा में परिलक्षित होता है और न ही वैश्विक तेल बाजार के आँकड़े इसे पुष्ट करते हैं। तेल व्यापार जगत के विशेषज्ञों का कहना है कि भारत की रूसी तेल खरीद में कोई विशेष कमी नहीं आई है; अधिकांश सौदे पहले से तय अनुबंधों के अंतर्गत चल रहे हैं। देखा जाये तो ट्रंप के इस वक्तव्य के दो प्रमुख पहलू हैं– पहला, यह कि वह आश्वासन का दावा कर रहे हैं, जबकि भारत ने ऐसा कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है। दूसरा, ट्रंप ने खुद अपने पहले के दावे को थोड़ा नरम करते हुए कहा कि भारत पूरी तरह नहीं, काफी कम तेल खरीदेगा। यह बदलाव संकेत देता है कि या तो उन्हें पहले गलत जानकारी दी गई थी, या वे जानबूझकर ऐसी बातें करते हैं जो घरेलू राजनीतिक संदेशों के लिए उपयोगी हों। दूसरी ओर, भारत ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि उसकी ऊर्जा नीति राष्ट्रीय हित से संचालित होती है और जब तक पश्चिमी प्रतिबंध भारत पर लागू नहीं हैं, वह सस्ते रूसी कच्चे तेल का आयात जारी रखेगा। ऐसे में ट्रंप के बयान का कोई तथ्यात्मक आधार नहीं दिखता। वैसे यह पहली बार नहीं है जब डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत का हवाला देते हुए भ्रामक या अतिशयोक्तिपूर्ण दावा किया हो। ट्रंप की राजनीति में सुपर डीलमेकर की छवि बनाये रखना आवश्यक है। वह हर अंतरराष्ट्रीय फोन कॉल को एक बड़ी डील के रूप में प्रस्तुत करते हैं ताकि अमेरिकी मतदाताओं को लगे कि वह विश्व मंच पर अमेरिका फर्स्ट नीति को सफल बना रहे हैं। भारत जैसे बड़े लोकतंत्र के साथ मित्रवत संबंध उनके लिए प्रचार का सबसे आसान माध्यम है– क्योंकि यहां का प्रवासी भारतीय समुदाय अमेरिकी चुनावी परिदृश्य में एक प्रभावशाली वर्ग बन चुका है। उधर, प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह स्थिति नाजुक है। भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक संबंध गहरे हो रहे हैं– क्वॉड, इंडो-पैसिफिक और तकनीकी सहयोग जैसे क्षेत्रों में दोनों देश निकटता बढ़ा रहे हैं। लेकिन जब अमेरिकी राष्ट्रपति बार-बार ऐसे फजी या अधूरे दावे करते हैं जो भारत की संप्रभु नीति पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं, तो दिल्ली की प्रतिक्रिया केवल शालीन मौन तक सीमित नहीं रह सकती। भारत का विदेश मंत्रालय अब तक ट्रंप के बयानों पर नो कमेंट नीति अपनाता आया है।

जीवन बचाने की पहल

देश में यदि अंगदान हेतु जागरूकता व प्रेरणादायक राष्ट्रव्यापी मुहिम चलाई जाए तो हर साल हम लाखों जिंदगियां बचा सकते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि देश में इसके लिये सरकार व समाज के स्तर पर गंभीर पहल अब तक नहीं की गई। वहीं कई अंधविश्वास और धार्मिक रूढ़िवादिता के चलते लोग अपने परिजनों के निधन पर अंगदान करने से परहेज करते हैं। विडंबना यह है कि देश में दशकों से इस मुद्दे पर चर्चा करने के बावजूद आज दस लाख लोगों पर सिर्फ 0.9 अंगदाता हैं, जबकि एक छोटे से देश स्पेन का उदाहरण लें तो वहां यह दर तीस से ज्यादा है। यही वजह है कि जागरूकता के अभाव में हर साल लाखों मरीज अंग प्रत्यारोपण के इंतजार में मर जाते हैं। वहीं कई अन्य लोग अंग प्रत्यारोपण न हो पाने के कारण जीवन पर्यंत विकलांगता का जीवन जीने को अभिशप्त रहते हैं। इस राष्ट्रीय चुनौती को महसूस करते हुए केंद्र सरकार ने सभी अस्पतालों को अपने आईसीयू में अंग और ऊतक दान को प्रेरित करने वाली टीमें तैनात करने के निर्देश दिए हैं। निश्चित रूप से यह जरूरी है और समय की मांग भी है। इस दिशा में दशकों से प्रयासरत राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन एनओटीटीओ ने अब हर अस्पताल से ब्रेन-स्टेम डेथ कमेटी के सदस्यों और परामर्शदाताओं वाली एक समर्पित टीम बनाने का आग्रह किया है, जो मृतकों के परिवारों को इस प्रक्रिया में भागीदारी के लिये मार्गदर्शन करेगी। यह एक जरूरी कदम है क्योंकि समय पर परामर्श, जागरूकता और समन्वय के अभाव में हम उपयोग में आने वाले अंगों के दान से वंचित हो जाते हैं। हम अक्सर देखते हैं कि जब तक शोकसंतप्त परिवारों से संपर्क किया जाता है, तब तक अंग या ऊतक की पुनर्प्राप्ति का रास्ता हमेशा के लिये बंद हो चुका होता है। निश्चित रूप से इस दिशा में सार्वजनिक शिक्षा और पारदर्शी व्यवस्थाएं इस विश्वास की कमी की खाई को पाट सकती हैं। निस्संदेह, सरकारी निर्देश ही समस्या का समाधान नहीं है। कई अस्पतालों, खासकर छोटे शहरों में, अंग प्रत्यारोपण समन्वयकों, प्रशिक्षित आईसीयू कर्मचारियों और यहां तक कि अंगों के संरक्षण और परिवहन के लिये बुनियादी ढांचे का भी नितांत अभाव होता है। इस दिशा में गंभीर पहल न हो पाने के कारण अंग प्रत्यारोपण के मामले में निजी क्षेत्र के अस्पताल ही अभी आगे हैं, जबकि सरकारी अस्पताल इस दिशा में पिछड़ गए हैं। सरकारी अस्पतालों में अंगदान करने के लिये शोकसंतप्त परिवारों को प्रेरित करने के लिये प्रशिक्षण, संसाधन जुटाने तथा प्रोत्साहन के लिये पर्याप्त आर्थिक संसाधन जुटाने की जरूरत है। जब वित्तीय मदद और अन्य सुविधाएं नहीं होंगी, तब सरकारी निर्देश भी इस दिशा में निष्प्रभावी रहेंगे। सबसे महत्वपूर्ण इस दिशा में लोगों का विश्वास अर्जित करना है। उन्हें बताना होगा कि मृत देह का यदि किसी को जीवन देने के रूप में उपयोग हो पाए तो वह ऋषिकर्म जैसा होगा। फिर खो चुके परिजन के अंग को भी वे इस कार्य से किसी अन्य शरीर में जीवंत रूप में देख सकेंगे। निस्संदेह, यह एक पुण्य का कार्य है जो मृतक परिजन की आत्मा को भी शांति देगा। विडंबना यह है कि भारत में आज भी अंगदान के विचार के साथ कई तरह के मिथक, भय और गलत जानकारियां जुड़ी हैं, जिसके चलते मृत व्यक्ति के परिजन अंगदान की पहल से गुरेज करते हैं। हमें इस दिशा में प्रगतिशील सोच के साथ जागरूकता अभियान चलाना चाहिए। हमें सतही अनुष्ठानों से आगे बढ़कर मानव कल्याण के लिये आगे आना चाहिए। इस अभियान को हमें एक सहानुभूतिपूर्ण प्रचार-प्रसार के जरिए आगे बढ़ाना होगा। लोगों को बताना होगा कि यह सिर्फ दान ही नहीं, मानवता के प्रति करुणा का भाव जगाना भी है। निस्संदेह, सरकार की पहल और निर्देश एक अच्छी शुरूआत है, लेकिन इसे एक समन्वित राष्ट्रीय प्रयास के रूप में विकसित करना जरूरी होगाकृएक ऐसा प्रयास जो इस नीति को सहानुभूति व अंगदान को मानवता के कार्य से जोड़ सके। निस्संदेह, ऐसे प्रयासों से ही मृत्यु के बाद किसी को जीवन देने हेतु अंगदान का संकल्प एक सरकारी निर्देश के बजाय एक वास्तविक हकीकत बन पाएगा।

फिर प्यार में पड़ीं 'बिग बॉस' फेम पवित्रा पुनिया

पवित्रा पुनिया ने एक ऐसे व्यक्ति से सगाई की है, जो मनोरंजन जगत से नहीं है। पवित्रा ने अपने पार्टनर और सगाई की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। 'ये है मोहब्बतें' और 'गीत- हुई सबसे पराई' जैसे टीवी शो के लिए मशहूर अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने सगाई कर ली है। उन्होंने बुधवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने एक ऐसे व्यक्ति से सगाई की है, जो मनोरंजन जगत से नहीं है। पवित्रा ने अपने पार्टनर और सगाई की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। आइए देखते हैं उनकी पोस्ट में क्या है? पवित्रा ने दिखाई पार्टनर की झलक पवित्रा पुनिया ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की हैं उनमें देखा जा सकता है कि एक व्यक्ति उन्हें प्रपोज कर रहा है। कई तस्वीरों में पवित्रा उस व्यक्ति के साथ गले मिल रही हैं। यह तस्वीरें इस तरह से ली गई हैं कि तस्वीरों में उनके पार्टनर का चेहरा नहीं दिख रहा है। तस्वीरें शेयर करते हुए पवित्रा ने कैप्शन में लिखा 'प्यार में बंध गई।

फिर प्यार में पड़ीं 'बिग बॉस' फेम पवित्रा पुनिया

एजाज खान से ब्रेकअप के बाद 'मिस्ट्री मैन' से की सगाई

पवित्रा पुनिया ने एक ऐसे व्यक्ति से सगाई की है, जो मनोरंजन जगत से नहीं है। पवित्रा ने अपने पार्टनर और सगाई की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। 'ये है मोहब्बतें' और 'गीत- हुई सबसे पराई' जैसे टीवी शो के लिए मशहूर अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने सगाई कर ली है। उन्होंने बुधवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने एक ऐसे व्यक्ति से सगाई की है, जो मनोरंजन जगत से नहीं है। पवित्रा ने अपने पार्टनर और सगाई की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। आइए देखते हैं उनकी पोस्ट में क्या है? पवित्रा ने दिखाई पार्टनर की झलक पवित्रा पुनिया ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की हैं उनमें देखा जा सकता है कि एक व्यक्ति उन्हें प्रपोज कर रहा है। कई तस्वीरों में पवित्रा उस व्यक्ति के साथ गले मिल रही हैं। यह तस्वीरें इस तरह से ली गई हैं कि तस्वीरों में उनके पार्टनर का चेहरा नहीं दिख रहा है। तस्वीरें शेयर करते हुए पवित्रा ने कैप्शन में लिखा 'प्यार में बंध गई। हमने इसे आधिकारिक बना दिया। पवित्रा पुनिया जल्द ही मिसेज एनएस बनने वाली हैं।' एजाज खान से था रिश्ता हाल ही में एक इंटरव्यू में, पवित्रा ने 'दोबारा प्यार' पाने के बारे में बात की। इससे पहले उनकी सगाई अभिनेता और बिग बॉस 14 के साथी प्रतियोगी एजाज खान से हुई थी। 2023 में अलग होने से पहले उन्होंने लगभग तीन साल तक एक-दूसरे को डेट किया। नए पार्टनर के बारे में बातचीत में पवित्रा ने कहा कि वह विदेश में अपने नए पार्टनर और उनके परिवार के साथ दिवाली मनाएंगी। एचटी से बात करते हुए पुनिया ने अपने रिश्ते की पुष्टि की। उन्होंने कहा, 'हां, मुझे फिर से प्यार मिल गया है और इस साल दिवाली मेरे लिए और भी खास है क्योंकि मैं इसे अपने नए परिवार के साथ मना रही हूं।' उन्होंने बताया 'वह अमेरिका के एक बिजनेसमैन हैं, कोई एक्टर नहीं। वह एक बेहतरीन इंसान हैं और दयालु हैं।

ट्रेलर लॉन्च के वादे के साथ वेवबैंड प्रोडक्शन ने किया मस्तीपप 4 का दूसरा पोस्टर रिलीज

कल्ट कॉमेडी फ्रेंचाइज श्मस्तीश चार गुना अधिक मस्ती, पागलपन और हंसी के साथ एक बार फिर धमाकेदार वापसी के लिए तैयार है! इसी कड़ी में वेवबैंड प्रोडक्शन ने मिलाप मिलन जवेरी द्वारा लिखित और निर्देशित श्मस्ती 4श का दूसरा पोस्टर जारी कर दिया है, जिससे बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा कॉमेडी फ्रेंचाइज के लिए दर्शकों में उत्साह भी चार गुना बढ़ गया है। फिल्म 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इस

पोस्टर ने आते ही ओरिजिनल मस्ती की यादें ताजा कर दी हैं, जो बेशुमार रंगों के साथ ढेर सारी अफरातफरी, मस्ती और शरारतों से भरपूर थी! सिर्फ यही नहीं ओजी तिकड़ी यानी रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी, एक बार फिर अमर, मीत और प्रेम के रूप में लौट रहे हैं, और श्मस्ती 4श के साथ दर्शकों को जोरदार हंसी और मनोरंजन से भरी एक रोलरकोस्टर राइड देने का वादा कर रहे हैं। भव्य पैमाने पर बनी इस फिल्म में बड़े-से-बड़े कॉमेडी एलिमेंट्स, विदेशी और आंखों को सुकून देने वाले लोकेशन हैं। चार गुना ज्यादा एंटरटेनमेंट के साथ कानों में बस जानेवाले धुन और हँसी-ठहाकों से भरपूर मस्ती 4 ऐसा हास्य पेश करेगी, जो आज के दर्शकों के लिए बॉलीवुड कॉमेडी को नए सिरे से परिभाषित करेगी।

दिवाली पर वरुण धवन ने शेयर की बेटी की प्यारी सी झलक

घर के मंदिर में पापा संग पूजा करती दिखीं नन्हीं लारा

बॉलीवुड इंडस्ट्री में हर साल की तरह इस बार भी दिवाली खूब धूमधाम से मनाई गई, जिसकी तस्वीरें सेलेब्स अपने-अपने सोशल मीडिया पोस्ट में शेयर करते नजर आए। कपल्स अपने-अपने बच्चों के साथ दिवाली सेलिब्रेशन की फोटोज शेयर करते दिखे। इसी बीच एक्टर वरुण धवन ने भी अपनी बेटी लारा धवन के साथ दिवाली सेलिब्रेशन की कुछ खूबसूरत तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की, जो इंटरनेट पर आते ही वायरल हो गईं। वरुण

धवन ने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखारूष्आपको दिवाली की ढेर सारी शुभकामनाएं। इस तस्वीर में वरुण अपनी बेटी को भगवान की मूर्तियों के सामने खड़ा कर पूजा सिखाते हुए नजर आए। लारा को हाथ का सहारा देते हुए वरुण ने उन्हें दिवाली की परंपरागत पूजा की शिक्षा दी। हालांकि, फैंस की उत्सुकता के बावजूद, वरुण ने अपनी बेटी का चेहरा इस बार भी नहीं दिखाया। फोटो पीछे से ली गई थी, जिससे सिर्फ उनके पीछे की झलक और हाथ पकड़ते हुए दिखाई दे रहा है। मालूम हो,यह पहली बार नहीं है जब वरुण ने अपनी बेटी के साथ फोटो शेयर की हो। क्रिसमस पर भी उन्होंने लारा के साथ तस्वीर शेयर की थी, लेकिन तब भी उन्होंने बेटी का चेहरा सामने नहीं लाया था। वरुण अपने पर्सनल और फैमिली मोमेंट्स को प्राइवेट रखना पसंद करते हैं।

प्रभास के बर्थडे पर माइथ्री मूवी मेकर्स ने लाया बड़ा गिफ्ट, कल होगा प्रभासहनु का टाइटल रिवील

डिजिटल। टाइटल टीजर पोस्टर में प्रभास का अब तक का सबसे अलग अवतार दिखाया गया है। सीता रामम फेम डायरेक्टर हनु राघवपुडी इस प्रोजेक्ट में अपनी खास विजन लेकर आ रहे हैं, जो फिल्म को एक अलग पहचान देने वाला है। प्रभासहन इंडियन सिनेमा की सबसे ज्यादा इंतेजार किए जाने वाले प्रोजेक्ट्स में से एक रही है। इसकी घोषणा के बाद से ही दर्शकों में खूब उत्सुकता देखने मिल रही है। ऐसे में उत्साह तब और बढ़ गया जब पुष्पा फ्रेंचाइजी के पीछे की ताकत माइथ्री मूवी मेकर्स ने ब्लॉकबस्टर फिल्म सीता रामम के डायरेक्टर हनु राघवपुडी संग हाथ मिला रही है, इस ग्रैंड प्रोजेक्ट में पैन-इंडिया सुपरस्टार प्रभास लीड रोल में हैं। प्रभास के फैंस के लिए उनके जन्मदिन से पहले एक खास तोहफे के तौर पर, मेकर्स ने मच अवेटड टाइटल टीजर रिलीज किया है। रोमांचक और शानदार इस टीजर में सिर्फ प्रभास के जूतों में पैर और लंबे कोट में दिख रहे हैं, पीछे पुराना सेट है, जो उत्सुकता बढ़ाता है और साथ ही एक शानदार सिनेमाई अनुभव का अहसास कराता है।टाइटल टीजर पोस्टर के साथ मेकर्स ने यह भी बताया कि कल एक बड़ा खुलासा किया जाएगा। प्रभास के जन्मदिन के मौके पर फिल्म का टाइटल पोस्टर खास तोहफे के रूप में रिलीज किया

जाएगा। माइथ्री मूवी मेकर्स ने पोस्टर शेयर करते हुए लिखा है, पाण्डवपक्षे संस्थित कर्णः। प्रभासहन टाइटल पोस्टर - कल सुबह 11 बजे हनु राघवपुडी भारतीय सिनेमा के सबसे सराहे गए निर्देशकों में से एक हैं, जिन्होंने सीता रामम और पडी पडी लेचे मानसु जैसी दिल छू लेने वाली फिल्में दी हैं। उनके साथ जुड़ रहे हैं प्रभास, एक सच्चे पैन-इंडिया सुपरस्टार, जिन्होंने भारतीय सिनेमा को कई बड़ी हिट फिल्में दी हैं। प्रभासहन में बॉलीवुड स्टार्स जैसे मिथुन चक्रवर्ती, जयाप्रदा और अनुपम खेर भी अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं। इतने बड़े कलाकारों के एक साथ आने से यह फिल्म एक ग्रैंड, बिग बजट फिल्म बनने जा रही है। बताया जा रहा है कि यह एक पीरियड ड्रामा फिल्म होगी, जिससे दर्शकों में इस शानदार सिनेमाई प्रोजेक्ट को लेकर उत्सुकता और बढ़ गई है। माइथ्री मूवी मेकर्स, जो देश के सबसे बड़े प्रोडक्शन हाउस में से एक है और पुष्पा फ्रेंचाइजी, उप्पेना, डियर कॉमरेड जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों का हिस्सा रह चुकी है, और अब वो इस फिल्म का निर्माण कर रही है। बताया जा रहा है कि यह कंपनी फिल्म के शानदार विजुअल्स और बेहतरीन सिनेमाई अनुभव के लिए बड़ा निवेश कर रही है, जिससे यह अब तक के सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स में से एक बनने जा रहा है।

'बिग बॉस 9' फेम प्रिया मलिक दिवाली पर हादसे का शिकार

कपड़ों में लगी आग; बाल-बाल बची जान, सुनाई आपबीती

'बिग बॉस 9' फेम प्रिया मलिक दिवाली के मौके पर हादसे का शिकार हो गईं। इस हादसे में वे बाल-बाल बची हैं। अभिनेत्री के कपड़ों और बालों में आग लग गई थी। हादसे की आपबीती प्रिया ने सोशल मीडिया पर शेयर की। प्रिया मलिक बीती रात दिवाली के जश्न में डूबी थीं। इसी दौरान उनके साथ एक हादसा

हो गया। वे आग की लपटों में झुलस गईं। हालांकि, वक्त रहते उन्हें सुरक्षित बचा लिया गया। इस हादसे की आपबीती प्रिया मलिक ने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए बताया कि वे इस हादसे में बाल-बाल बची हैं। पिता ने दिखाई तत्परता, बाल-बाल बचीं प्रिया प्रिया मलिक ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर किए हैं। इसके जरिए उन्होंने बताया कि हादसा उस वक्त हुआ, जब वे दिवाली सेलिब्रेट करते हुए फोटोज क्लिक करा रही थीं। हालांकि, उनके पिता ने तत्परता दिखाई और उन्हें बचा लिया, वरना हादसा गंभीर रूप ले सकता था। दीये से कपड़ों में लगी आग प्रिया मलिक ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर उस भयावह हादसे की घटना को याद करते हुए पोस्ट शेयर किया है। इससे वह और उनका परिवार स्तब्ध रह गए। प्रिया मलिक ने लिखा कि वह अपने पड़ोसियों के साथ तस्वीरें लेते हुए एक दीये के पास खड़ी थीं, तभी उनके आउटफिट में अचानक आग लग गई, जिसने उनकी पूरी पीठ, नीचे से कंधों तक और बालों के जूड़े तक को अपनी चपेट में ले लिया। उन्होंने आगे लिखा, 'इससे पहले कि मैं कुछ समझ पाती, मैंने अपने दाहिने कंधे से आग की लपटें उठती देखीं और महसूस किया कि मेरी पूरी पीठ में आग लग गई है'। सदमे में प्रिया और उनका परिवार प्रिया के मुताबिक, 'मैं किसी छोटी-मोटी आग की नहीं, बल्कि भीषण लपटों की बात कर रही हूं। शुक्र है कि मेरे पिताजी जलते हुए कपड़ों को फाड़ने में कामयाब रहे, क्योंकि जलने से बचने का यही एकमात्र रास्ता था। लेकिन इस घटना से मैं और मेरा परिवार गहरे सदमे में हैं'। प्रिया ने आगे बताया कि इस घटना ने उन्हें एहसास दिलाया कि एक साधारण लेकिन सामान्य सी लापरवाही जानलेवा हो सकती है। उन्होंने स्वीकार किया कि इस घटना ने उन्हें बहुत झकझोर दिया है। प्रिया ने लिखा, 'उस पल में मेरे पिताजी हीरो थे। मैं ठीक हूं। मेरे कंधों, पीठ और उंगलियों पर मामूली जलन है'। बता दें कि प्रिया को 'नजर', 'क्राइम पेट्रोल' और 'सावधान इंडिया' जैसे शो में देखा जा चुका है।

अपनी पहली दिवाली रिलीज थामा के साथ सबसे बड़ी ओपनिंग देना अविश्वसनीय अहसास: आयुष्मान खुराना

बॉलीवुड स्टार आयुष्मान खुराना ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वे भारतीय सिनेमा के मास्टर ऑफ यूनिकनेस हैं। अपनी पहली दिवाली रिलीज कृ दिनेश विजन की थम्मा (मैड्डॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स एमएचसीयू का हिस्सा) के साथ आयुष्मान ने अपने करियर की अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग दर्ज की है, 25.11 करोड़ (नेट) की शानदार शुरूआत के साथ! इस भव्य ओपनिंग के साथ, आयुष्मान ने एमएचसीयू की ऑरिजिन स्टोरीज (जैसे स्त्री, भेड़िया और मुंजा) में अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग दी है, जिससे थम्मा फ्रेंचाइज की नींव और मजबूत हो गई है। आयुष्मान कहते हैं,मैं एक एंटरटेनर हूं, इसलिए लोगों को थामा और मेरे परफॉर्मेंस को इतने प्यार से एंजॉय करते देखना मेरे लिए बेहद खुशी की बात है। जब मेरे दूरदर्शी निमार्ता दिनेश विजन ने बताया कि थामा दिवाली पर रिलीज होगी, तो मैं रोमांचित हो गया था। यह हमेशा मेरा सपना रहा है कि कभी मेरी भी दिवाली रिलीज हो। वे आगे कहते हैं,अपनी यूनिक और क्वर्की फिल्मों से मैंने एक अलग पहचान बनाई है। मैं लंबे समय से उस मौके का इंतजार कर रहा था जब मेरी तरह की फिल्म दिवाली पर रिलीज हो सके कृ वह त्योहार, जिस पर हमेशा सबसे बड़े सुपरस्टार अपनी फिल्मों को रिलीज करते आए हैं। थामा मेरे करियर की टेंटपोल फिल्म है, और इसे दिवाली पर रिलीज करने का मौका मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। बचपन में मैं परिवार के साथ थिएटर में सुपरस्टार्स की फिल्में देखने जाता था, आज मैं अपने परिवार के साथ अपनी ही फिल्म देखने गया कृ यह अहसास अविश्वसनीय है! पहली बार, एक ऐसे स्टार ने, जो अपनी क्वर्की और यूनिक फिल्मों के लिए जाना जाता है, दिवाली पर बॉक्स ऑफिस के सारे अनुमान तोड़ दिए हैं, यह साबित करते हुए कि बेहतरीन कंटेंट और आयुष्मान की मौजूदगी एक विजयी कॉम्बिनेशन है।आयुष्मान कहते हैं,यह मेरे हिंदी सिनेमा के सफर की एक बड़ी वैलिडेशन है। मैं दिनेश विजन का शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे एक ऐसे किरदार को निभाने का मौका दिया जिसका कोई रेफरेंस नहीं था कृ एक भारतीय बेताल। दर्शकों को इस किरदार के साथ पूरी तरह जुड़ते देखना और थिएटर में उनकी खुशी देखना, एक पागलपन भरा और खूबसूरत अनुभव है।

भारत ने नेपाल के शिक्षण संस्थानों को दान की 81 बसें, दोनों देशों के संबंधों में आएगी मजबूती

काठमांडू (एजेंसी)। दूतावास ने कहा, 'पिछले तीन दशकों में, भारत ने नेपाल के संस्थानों को 381 स्कूल बसें प्रदान की हैं, जो देश भर में शैक्षिक पहुंच बढ़ाने के लिए भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।' भारत सरकार ने नेपाल के विभिन्न शिक्षण संस्थानों को 81 स्कूल बसें दान की हैं। भारत सरकार ने नेपाल के साथ संबंधों को मजबूती देने और दोनों देशों की साझेदारी को गहरा करने के उद्देश्य से यह पहल की। भारत सरकार ने नेपाल के 48 जिलों के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों को ये स्कूल बसें दान की हैं। नेपाल स्थित भारतीय दूतावास ने किया पोस्ट काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने नेपाल के साथ चल रहे भारत के विकास सहयोग के तहत इस पहल की जानकारी दी। दूतावास ने सोशल मीडिया पर साझा पर एक पोस्ट में लिखा, 'भारत सरकार ने नेपाल के सभी सात राज्यों के 48 जिलों में स्थित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों को 81 स्कूल बसें दान की हैं, जिनमें कोशी प्रांत के बाढ़ प्रभावित इलाम, झापा और उदयपुर जिले, साथ ही हुमला, मुस्तांग, संखुवासभा, दारचुला, बैतड़ी और अछाम जैसे दूर-दराज के जिले शामिल हैं।' तीन दशकों में भारत ने नेपाल को 381 बसें दीं दूतावास ने कहा, 'पिछले तीन दशकों में, भारत ने नेपाल के संस्थानों को 381 स्कूल बसें प्रदान की हैं, जो देश भर में शैक्षिक पहुंच बढ़ाने के लिए भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

वेस्ट बैंक में बसे इस्राइली नागरिकों ने फलस्तीनी किसानों को पीटा

जैतून की फसल को लेकर हुआ विवाद

वेस्ट बैंक (एजेंसी)। तुर्मुस अय्या, जिसकी आबादी मुख्यत फलस्तीनी है। यह इलाका लंबे समय से इस्राइल के बसने वाले लोगों के हमलों का निशाना रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस्राइल-हमास युद्ध के दौरान हिंसा और भी बदतर हो गई। इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष विराम के बाद बेशक गाजा में शांति हो गई है, लेकिन अभी भी नफरत और तनाव का माहौल बरकरार है। हाल ही में फलस्तीन के वेस्ट बैंक इलाके में जब कुछ फलस्तीनी किसान जैतून की फसल देखने पहुंचे तो वहां इस्राइली कैंपों में रहने वाली इस्राइली नागरिकों ने कथित तौर पर उन पर हमला किया। इस हमले में एक महिला गंभीर रूप से घायल हुई है और अन्य लोगों को भी चोट आई है। वेस्ट बैंक के इस इलाके में अक्सर होती हैं हिंसक झड़पें वेस्ट बैंक के जिस इलाके तुर्मुस अय्या में ये झड़प हुई, वह पश्चिमी तट पर स्थित इस्राइली कब्जे वाला इलाका है। इस इलाके में फलस्तीनी किसान कथित तौर पर अपनी जैतून की फसल काटने पहुंचे थे, लेकिन इस्राइली नागरिकों ने उन पर हमला कर दिया। हमले में घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी हालत गंभीर है। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा है। जैतून फसल कटाई के मौसम में ज्यादा होती हैं हिंसक घटनाएं फलस्तीनियों का कहना है कि इस क्षेत्र में हिंसा बढ़ती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार समूहों ने जैतून की फसल कटाई के मौसम की शुरूआत और फलस्तीनी किसानों के बढ़ते जोखिम को देखते हुए चिंता जताई है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में दिख रहा है कि, एक नकाबपोश व्यक्ति जैतून के बाग में

दौड़ता हुआ और कम से कम दो लोगों को डंडे से पीटते हुए दिखाई दे रहा है, जिनमें एक महिला भी शामिल है, जो जमीन पर बेसुध पड़ी है। नकाबपोश व्यक्ति यहूदियों के एक पारंपरिक झालरदार वस्त्र, तिजिजित पहने हुए दिख रहा है। रामल्लाह स्थित फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि महिला को गंभीर चोटों के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वेस्ट बैंक के पश्चिमी तट पर इस्राइल का कब्जा तुर्मुस अय्या, जिसकी आबादी मुख्यत फलस्तीनी है। यह इलाका लंबे समय से इस्राइल के बसने वाले लोगों के हमलों का निशाना रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस्राइल-हमास युद्ध के दौरान हिंसा और भी बदतर हो गई। तुर्मुस अय्या एक घाटी में बसा है जिसके चारों ओर इस्राइली बस्तियां और चौकियां हैं। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि 2025 की पहली छमाही में इस्राइली नागरिकों के हमलों की 757 घटनाएं हुईं। पिछले वर्ष की तुलना में इस साल हिंसा की घटनाओं में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हिंसा के दौरान जैतून के पेड़ उखाड़े गए और कई को रसायनों की मदद से सुखा दिया गया। गौरतलब है कि साल 1967 के मध्य-पूर्व युद्ध में इस्राइल ने पूर्वी यरुशलम और गाजा पट्टी के साथ-साथ पश्चिमी तट पर भी कब्जा कर लिया था।

मुंबई से अमेरिका जा रहे विमान में आई तकनीकी खराबी, तीन घंटे बाद वापस लौटा; हुई सरक्षित लैंडिंग

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई से नेवार्क जा रही एअर इंडिया की एक उड़ान को बुधवार सुबह तकनीकी खराबी के कारण मुंबई वापस लौटना पड़ा। यह उड़ान बोइंग 777 विमान से संचालित की जा रही थी। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट के अनुसार, विमान ने बुधवार तड़के लगभग 1:50 बजे उड़ान भरी थी और तीन घंटे से अधिक समय तक हवा में रहने के बाद मुंबई वापस लौट आया। एअर इंडिया की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि विमान ने 1.15 बजे उड़ान भरी थी और इसके बाद विमान को सुबह 5:30 बजे मुंबई हवाई अड्डे पर लौट आया। 22 अक्टूबर को मुंबई से नेवार्क जा रही उड़ान अका191 के चालक दल ने संभावित तकनीकी समस्या का पता चला। जिसके बाद चालक दल ने एहतियातन विमान को वापस मुंबई लौटाने का निर्णय लिया। विमान सुरक्षित रूप से लैंड कर गया है और अब उसकी तकनीकी जांच की जा रही है। एअरलाइन ने बताया कि अका191 और अका44 (नेवार्क से मुंबई लौटने वाली उड़ान) दोनों को रद्द कर दिया गया है। मुंबई में सभी प्रभावित यात्रियों के लिए होटल की व्यवस्था की गई है और उन्हें एअर इंडिया या अन्य एयरलाइंस की वैकल्पिक उड़ानों में समायोजित किया गया है। हालांकि यात्रियों की कुल संख्या का खुलासा नहीं किया गया। एयरलाइन ने यह भी बताया कि नेवार्क से उड़ान भरने वाली अका44 के यात्रियों को रद्दीकरण की जानकारी दे दी गई है और उन्हें वैकल्पिक यात्रा की व्यवस्था में सहायता प्रदान की जा रही है।

राजधानी जैसी प्रीमियम ट्रेनों की इन हाईटेक कैमरों से होगी निगरानी

किसी भी खतरे पर ऐसे देंगे अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे लगातार यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में लगातार नए कदम उठा रहा है। इसी कड़ी में पश्चिम रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अहम फैसला लिया है। रेलवे अब मुंबई-अहमदाबाद मेन लाइन से गुजरने वाली वंदे भारत, राजधानी, शताब्दी समेत तमाम ट्रेनों की निगरानी हाईटेक कैमरों से करेंगी। रेलवे ने इस सिस्टम को वलसाड में लगाया है। रेलवे के यह अत्याधुनिक कैमरे इंटरनेट प्रोटोकॉल (आईपी) आधारित होंगे। ये कैमरे चार रोलिंग पॉइंट्स पर लगाए गए हैं। ये चलती ट्रेनों की हर बारीकी को रियल टाइम में मॉनिटरिंग करेंगे। ये कैमरे किसी भी खतरे या खामी को तुरंत डिटेक्ट कर लेंगे और अलर्ट भेज देंगे। यह अत्याधुनिक कैमरों सभी मौसम में एक समान काम करेंगे। यानी दिनझरात के अलावा बारिश के मौसम में भी कैमरे प्रभावित नहीं होंगे। रेलवे का सिस्टम न केवल

कोच और इंजन की जांच प्रक्रिया को तेज बनाएगा, बल्कि दुर्घटनाओं में भी काफी हद तक कमी आएगी। इससे यात्रियों की जानझमाल की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। पश्चिम रेलवे अधिकारियों का कहना है कि, इस नई तकनीक से इंजीनियरों को अब ट्रेन की मैन्युअल जांच के लिए ट्रैक पर उतरना नहीं पड़ेगा। इससे समय की बचत तो होगी ही, दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी। यात्रियों के लिए सबसे बड़ा लाभ यह है कि यात्रा अधिक सुरक्षित हो जाएगी। ब्रेक फेल्योर, बेयरिंग हीटिंग या पार्ट डिटैचमेंट जैसी खामियों को कैमरा तुरंत पकड़ लेगा। इस तरफ काम करेंगे ये कैमरे जानकारी के अनुसार, यह अत्याधुनिक कैमरे हाई डेफिनेशन वीडियो कैप्चर, नाइट विजन और ऑलझ्वेदर प्रोटेक्शन जैसे फीचर्स से लैस हैं। जैसे ही कोई ट्रेन वलसाड स्टेशन से गुजरती है, ये कैमरे स्वचालित रूप से उसके पहियों, ब्रेक शू, कपलिंग, रिम्स और बॉगी फ्रेम जैसी महत्वपूर्ण इकाइयों के क्लोजझ्अप फुटेज कैप्चर कर लेंगे। कैमरे के द्वारा ली गई इन फुटेज को तुरंत ही कैरिज एंड वैगन इंजीनियरिंग ऑफिस में बैठे विशेषज्ञ रियलझ्टाइम में मॉनिटर कर सकते हैं। यदि किसी डिब्बे में ढीलापन, धुआं या कोई असामान्य कंपन दिखाई देता है, तो सिस्टम फौरन अलर्ट भेज देगा। देश का पहला स्मार्ट मॉनिटरिंग सिस्टम गुजरात के वलसाड़ में लगाया गया है। इसे मुंबई अहमदाबाद मुख्य लाइन पर लगाया गया है। रेलवे का कहना है कि, पश्चिम रेलवे के लिए यह इनोवेशन सुरक्षा और दक्षता दोनों में नई दिशा तय करेगा। आने वाले वक्त में इस तरह की नई तकनीक अन्य प्रमुख स्टेशनों पर भी लगाया जाएगा। ताकि यात्रियों को सुरक्षित, स्मार्ट और भरोसेमंद यात्रा का अनुभव मिल सके।

भारत ने नेपाल के शिक्षण संस्थानों को दान की 81 बसें, दोनों देशों के संबंधों में आएगी मजबूती

काठमांडू (एजेंसी)। दूतावास ने कहा, 'पिछले तीन दशकों में, भारत ने नेपाल के संस्थानों को 381 स्कूल बसें प्रदान की हैं, जो देश भर में शैक्षिक पहुंच बढ़ाने के लिए भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।' भारत सरकार ने नेपाल के विभिन्न शिक्षण संस्थानों को 81 स्कूल बसें दान की हैं। भारत सरकार ने नेपाल के साथ संबंधों को मजबूती देने और दोनों देशों की साझेदारी को गहरा करने के उद्देश्य से यह पहल की। भारत सरकार ने नेपाल के 48 जिलों के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों को ये स्कूल बसें दान की हैं। नेपाल स्थित भारतीय दूतावास ने किया पोस्ट काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने नेपाल के साथ चल रहे भारत के विकास सहयोग के तहत इस पहल की जानकारी दी। दूतावास ने सोशल मीडिया पर साझा पर एक पोस्ट में लिखा, 'भारत सरकार ने नेपाल के सभी सात राज्यों के 48 जिलों में स्थित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों को 81 स्कूल बसें दान की हैं, जिनमें कोशी प्रांत के बाढ़ प्रभावित

इलाम, झापा और उदयपुर जिले, साथ ही हुमला, मुस्तांग, संखुवासभा, दारचुला, बैतड़ी और अछाम जैसे दूर-दराज के जिले शामिल हैं।' तीन दशकों में भारत ने नेपाल को 381 बसें दीं दूतावास ने कहा, 'पिछले तीन दशकों में, भारत ने नेपाल के संस्थानों को 381 स्कूल बसें प्रदान की हैं, जो देश भर में शैक्षिक पहुंच बढ़ाने के लिए भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।' नेपाल में हाल ही में हुई भारी बारिश, जिसमें जान-माल का भारी नुकसान हुआ, को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 अक्टूबर को अपनी संवेदना व्यक्त की और नेपाल की सहायता के लिए भारत की तत्परता की पुष्टि की। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भारत द्वारा नेपाल को द्विपक्षीय सहयोग का एक लंबा इतिहास है। भारत ने, नेपाल में 2015 के भूकंप, जिसमें 8,962 लोग मारे गए और 21,952 घायल हुए, और 2020 की बाढ़, जिसमें 196 लोग मारे गए और 188 घायल हुए, सहित कई बड़ी आपदाओं के दौरान नेपाल की मदद की। गहरे सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक संबंधों के साथ, दोनों देशों ने जरूरत के समय में लगातार एक-दूसरे का समर्थन किया है।

अगले हफ्ते टोक्यो जाएंगे ट्रंप, जापानी विदेश मंत्री बोले- मजबूत रक्षा और रणनीतिक साझेदारी को लेकर तैयार

टोक्यो (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले हफ्ते जापान की यात्रा पर जाने वाले हैं। इससे पहले जापान के विदेश मंत्री मोतेगी ने कहा कि जापान अमेरिका के साथ मजबूत रक्षा और रणनीतिक साझेदार के लिए तैयार है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इस दौरान जापान अपनी रक्षा क्षमता बढ़ाने के संकल्प को दुनिया के सामने रखेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले हफ्ते जापान की यात्रा पर जाने वाले हैं। इससे पहले जापान के नए विदेश मंत्री तोशीमित्सु मोतेगी ने ट्रंप के यात्रा को लेकर अपनी तैयारी की बात कही। बुधवार को उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अगले

हफ्ते टोक्यो यात्रा के दौरान जापान अपनी रक्षा क्षमता को बढ़ाने की प्रतिबद्धता दुनिया को दिखाएगा। बता दें कि ट्रंप 27 से 29 अक्तूबर के बीच जापान का दौरा करेंगे और इस दौरान वह जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री सना ए ताकाइची से मुलाकात करेंगे, जो मंगलवार को ही पदभार संभाल चुकी हैं। ताकाइची को अपने कार्यकाल की शुरूआत में ही ट्रंप की यात्रा और दो क्षेत्रीय सम्मेलनों जैसी बड़ी कूटनीतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ट्रंप की यात्रा के लिए जापान की तैयारी विदेश मंत्री मोतेगी ने कहा कि हम राष्ट्रपति ट्रंप की यात्रा के लिए पूरी तैयारी कर रहे हैं। यह बैठक जापान-अमेरिका के रिश्तों को और मजबूत करने का मौका होगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जापान फिलहाल अपनी पांच साल की रक्षा योजना (2023-2027) के तहत अपने रक्षा बजट को जीडीपी के 2% तक बढ़ा रहा है। इसमें लॉन्ग रेंज मिसाइलों जैसी क्षमताएं शामिल की जा रही हैं, जो जापान की अब तक की रक्षा-केवल नीति से बड़ा बदलाव है। ड्रोन और साइबर युद्ध जैसे खतरों से निपटने की तैयारी मोतेगी ने यह भी कहा कि ड्रोन और साइबर युद्ध जैसे नए खतरों से निपटने के लिए यह जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि जापान की रक्षा नीतियां उसके स्वतंत्र निर्णय पर आधारित होंगी, न कि सिर्फ जीडीपी के प्रतिशत पर। हालांकि दूसरी ओर यह आशंका भी जताई जा रही है कि राइट-विंग जापान इनोवेशन पार्टी के साथ सत्तारूढ़ गठबंधन के बाद प्रधानमंत्री ताकाइची की अगुआई में जापान और आक्रामक रक्षा नीति अपना सकता है। ट्रंप जापान से इन चिजों की कर सकते है मांग गौरतलब है कि ट्रंप जापान से रक्षा खर्च बढ़ाकर जीडीपी का पांच प्रतिशत करने, अमेरिकी हथियारों की अधिक खरीद और जापान में तैनात 50,000 अमेरिकी सैनिकों के खर्च में इजाफे की मांग कर सकते हैं। मोतेगी ने कहा कि वह जल्द ही अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मिलकर जापान-अमेरिका गठबंधन की रक्षा क्षमता को और मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह जापान-अमेरिका टैरिफ समझौते को ईमानदारी से लागू करने और दोनों देशों की आर्थिक सुरक्षा और विकास के लिए काम करेंगे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रो पर निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदायें (सिंगिल पैकेट सिस्टम) आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं.	106-Sig/Tender/34/2025-26
कार्य का नाम	"रिप्लेसमेंट ऑफ डिफेक्टिव सिग्नलिंग केबल एंड प्रोटेक्शन ऑफ सिग्नलिंग केबल लाइंग ऑन ब्रिजेज ओवर एल0 के0 ओ0 डिवीजन ऑफ नॉर्थने रेलवे।"
अनुमानित लागत	रु.1,47,54,587.47/–
निविदा प्रपत्र की कीमत	शून्य
धरोहर राशि	रु.2,23,800.00/–
कार्य पूरा करने की अवधि	240 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	13.11.2025 15:30 Hrs
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है।	www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/लखनऊ

• ठेकेदारों को ई–निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट के अंतर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य हैं।
• समस्त नियम एवं शर्तों निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है।
• मैनुउल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेगी।
• निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी।

निविदा सू. सं. 106–सिंग/टेंडर/34/2025–26 दिनांक : 21.10.2025 3277/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु **सिंगल पैकेट पद्धति** से ई–निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक **10.11.2025** को 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किये जायेगें यदि कोई मैनुवल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदा फार्म का मूल्य जमा नही करना है तथा निविदाकर्ता को धरोहर राशि का भुगतान केवल ireps पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाईन भुगतान प्रणाली में नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड इत्यादि द्वारा करेगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपॉजिट रसीद एवं एफ डी आर द्वारा भुगतान स्वीकार नही किये जायेंगे।

निविदा सूचना संख्या		01062025 दिनांक 17.10.2025	
कार्य का नाम	1.	वरि0 मण्डल अभियंता–प्रथम लखनऊ के कार्य क्षेत्र में सहायक मण्डल अभियंता–मुख्यालय के अधीन उत्तर रेलवे मण्डल चिकित्सालय में ट्रामा वार्ड, फीवर क्लीनिक, पुरानी ओ0टी0, ड्रग्स स्टोर, पी0ओ0 वार्ड, केबिन सं0 06, शौचालय के साथ आई0सी0 यू0 वार्ड, दवा घर का कार्य स्टेशन तथा कक्ष सं0 12, ओ0पी0डी0 में निर्धारित बैठने की जगह के उन्नयन तथा पैथोलॉजी विभाग में रिसेप्शन डेस्क का कार्य तथा आंतरिक एवं बाहरी सतह की भारी मरम्मत तथा डाक्टर चैम्बर, ओ0पी0डी0 हॉल, आर0ई0एल0एच0एस0 फॉर्मेसी, पुरूष चिकित्सा वार्ड, महिला चिकित्सा वार्ड, महिला सर्जिकल वार्ड, सी0सी0यू0 वार्ड, मैटरनिटी वार्ड, बच्चों का वार्ड, नये भवन में रेडियोलॉजी विभाग की रिप्लास्टरिंग तथा पुनिर्निर्माण के साथ डॉक्टरों की गाड़ियों की पार्किंग की सुविधा का कार्य।	
अनुमानित लागत		क्रम सं0 01 के लिए	(1) रु.3,68,82,228.11
धरोहर राशि		क्रम सं0 01 के लिए	(1) रु.3,34,500.00
कार्य की समापन अवधि		क्रम सं0 01 के लिए	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से बारह (12) माह।
निविदा डालने का प्रारंभ		क्रम सं0 01 के लिए	27.10.2025
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय		क्रम सं0 01 के लिए	10.11.2025 15:00 बजे
वेबसाईट		www.ireps.gov.in	

नोट :
1. तकनीकी और वाणिज्यिक प्रस्तावों के खुलने के बाद अतिरिक्त दस्तावेज की प्रस्तुति एवं उससे संबंधित निविदा उपरान्त किसी प्रकार के पत्राचार स्वीकार नही किये जायेंगे। निविदादाता के निविदा उपरान्त पत्रो को भी शून्य एवं प्रभावहीन माना जायेगा। (प्रधान कार्यालय उ.रे. नयी दिल्ली का पत्र सं. **74-W/O/Pt.XXV/WA/Loose Dated : 07.04.2015** 3244/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पेरू की राजधानी में 30 दिन का आपातकाल घोषित

बढ़ते अपराध और हिंसा के बीच राष्ट्रपति की सख्ती

लीमा (एजेंसी)। दक्षिणी अमेरिका के पेरू में अपराध और हिंसा के बढ़ते मामलों पर नई सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। राष्ट्रपति जोसे जेरी ने राजधानी लीमा में 30 दिन के आपातकाल की घोषणा की है। जेरी ने कहा कि अब अपराध के खिलाफ रक्षात्मक नहीं, आक्रामक नीति होगी। दक्षिणी अमेरिका स्थित देश पेरू में बढ़ते हिंसा और अपराध के चलते अब वहां की सरकार एक्शन में आती हुई नजर आ रही है। इसके तहत देश के नए राष्ट्रपति जोसे जेरी

ने मंगलवार को राजधानी लीमा में 30 दिनों के लिए आपातकाल घोषित कर दिया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब देश में हत्याएं, जबरन वसूली और सार्वजनिक स्थानों पर हमले तेजी से बढ़े हैं। आंकड़ो की माने तो जनवरी से सितंबर 2025 के बीच देश में 1,690 हत्याएं दर्ज की गईं, जबकि 2024 में इसी अवधि में 1,502 मामले सामने आए थे। बता दें कि राष्ट्रपति दीना बोलुआर्ते को अपराध रोकने में विफल रहने के कारण 10 अक्टूबर को संसद ने पद से हटा दिया। हालांकि उन्होंने भी इसी साल मार्च में 30 दिन का आपातकाल लगाया था, लेकिन उससे अपराध पर कोई खास असर नहीं पड़ा। राष्ट्रपति जेरी का सख्त रुख बोलुआर्ते के स्थान पर राष्ट्रपति बने जेरी ने अपराध और हिंसा के खिलाफ सख्त रवैया अपनाया। जेरी ने टीवी पर दिए एक संदेश में कहा कि जंग बातों से नहीं, काम से जीती जाती है। उन्होंने कहा कि अब सरकार अपराध के खिलाफ रक्षात्मक नहीं, आक्रामक नीति अपनाएगी हिंसक हुआ प्रदर्शन हालांकि इस घोषणा के बाद भी राजधानी लीमा में गुरुवार को विरोध प्रदर्शन हुए।

पश्चिमी युगांडा में भीषण सड़क हादसा, दो बसों की टक्कर में 63 की मौत; कई घायल

कंपाला (एजेंसी)। युगांडा के गुलु हाईवे पर बुधवार तड़के दो बसों की आमने-सामने टक्कर में 63 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। हादसा ओवरटेक की कोशिश में हुआ। किरियानडोंगो कस्बे के पास हुए इस टक्कर के बाद का मंजर बेहद भयावह था। पूर्वी अफ्रीकी देश युगांडा में बुधवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे में कम से कम 63 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा देश के पश्चिमी हिस्से में गुलु हाईवे पर आधी रात के बाद हुआ, जब दो बसों और दो अन्य गाड़ियों की आमने-सामने टक्कर हो गई। पुलिस के अनुसार, दोनों बसें विपरीत दिशा से आ रही थीं और ओवरटेक करने की कोशिश में आमने-सामने भिड़ गईं।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।